राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,२०अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -८६ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

# दिल्ली में 26 तक लॉकडाउन

### केजरीवाल बोले- रोज 25 हजार केस आते रहे तो हमारा हेल्थ सिस्टम चरमरा जाएगा

**नई दिल्ली।**

देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार रात 10 बजे से 26 अप्रैल की सुबह 5 बजे तक लॉकडाउन रहेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल के साथ हुई बैठक के बाद इसका ऐलान कर दिया। केजरीवाल ने कहा, %दिल्ली में चौथी लहर आई है। तीसरी लहर में रोजाना साढ़े आठ हजार मामले आ रहे थे। दुनिया के कई बड़े शहरों में छह हजार मामलों में हेल्थ सिस्टम चरमरा गया था। अब चौथी लहर में दिल्ली में रोजाना 25 हजार केस आ रहे हैं तो हमारा हेल्थ सिस्टम तनाव में आ गया है। यह अपनी सीमा पर पहुंच गया है। इसके बाद कठोर कदम नहीं उठाए गए तो सिस्टम चरमरा जाएगा। कल एक अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म हो गई। वहां बड़ा हादसा होते-होते बचा।'

**अब मरीज बढ़े तो संभालना मुश्किल**

उन्होंने कहा, उपराज्यपाल के साथ बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा हुई। दिल्ली का हेल्थ सिस्टम अब बड़ी मात्रा में मरीजों को संभालने में सक्षम नहीं है। अगर अभी लॉकडाउन नहीं लगाया तो दिल्ली बुरी स्थिति में पहुंच जाएगी। सोमवार रात 10 बजे से अगले सोमवार सुबह 5 बजे तक 6 दिन के लिए लॉकडाउन लगाया गया है। जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी। खाने-पीने और मेडिकल व्यवस्थाएं जारी रहेंगी। 50 लोगों के साथ शादियां हो सकेंगी। इसके लिए अलग से पास जारी होंगे। प्रवासी मजदूरों से मेरी गुजारिश है कि ये छोटा सा लॉकडाउन है। दिल्ली छोड़कर मत जाइएगा। आने-जाने में ही पूरा समय खर्च हो जाएगा। उम्मीद है यह लॉकडाउन छोटा रहेगा। सरकार आपका ख्याल रखेगी। मैं हूं ना, मुझ पर भरोसा कीजिए।

**बीते दिन 25 हजार से ज्यादा केस आए**

दिल्ली में रविवार को 25,462 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। 20,159 लोग रिकवर हुए और 161 की मौत हो गई। अब तक यहां 8.79 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 7.66 लाख ठीक हो चुके हैं, जबकि 12,121 मरीजों की जान चली गई। 74,941 मरीज ऐसे हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

**- लॉकडाउन के दौरान ये पाबंदियां**

- बेवजह दिल्ली में बाहर निकलने की इजाजत नहीं होगी। सिर्फ जरूरी क्षेत्र से जुड़े लोग बाहर आ पाएंगे। सभी प्राइवेट ऑफिस को वर्क फ्रॉम होम ही करना होगा। सरकारी दफ्तर में आधे ही अफसर आ सकेंगे।
- वैक्सीन लगवाने जाने वाले लोगों को लॉकडाउन में छूट मिलेगी। रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बस स्टेशन जाने वाले लोगों को भी छूट मिलती रहेगी। उन्हें अपना वैलिड टिकट अपने साथ रखना होगा। मेट्रो, बस सर्विस चालू रहेंगी, लेकिन 50 प्रतिशत यात्रियों को इजाजत मिलेगी।
- बैंक, एटीएम और पेट्रोल पंप खुले रहेंगे। धार्मिक स्थलों को खुला रखा जाएगा, लेकिन किसी विजिटर के जाने की इजाजत नहीं होगी।
- जरूरी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आईडी कार्ड दिखाने पर ही बाहर सफर करने दिया जाएगा। एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने वाले सार्वजनिक परिवहन जारी रहेंगे।
- किसी भी सार्वजनिक, राजनीतिक, धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन पर पाबंदी रहेगी। किसी स्टेडियम में कोई मैच या आयोजन बिना दर्शकों के किया जाएगा।
- सभी थियेटर्स, ऑडिटोरियम, स्पा, जिम, स्वीमिंग पूल को बंद रहेंगे। पहले से तय शादियों को छूट मिलेगी। उसके लिए भी ई-पास लेना होगा।

### शेयर बाजार में 2021 की सबसे बड़ी गिरावट

# कोरोना के कहर से टूटा बाजार

**-सेंसेक्स 882 पॉइंट गिरकर 47,950 पर बंद, निफ्टी भी 260 पॉइंट गिरा, अदाणी पोर्ट का शेयर 5 प्रतिशत टूटा**

**नई दिल्ली ।** कोरोना संक्रमण के बीच आज शेयर बाजार में बड़ी बिकवाली देखने को मिली है। बीएसई का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 882.61 अंक यानी 1.81 फीसदी की गिरावट के साथ 47,949.42 के लेवल पर क्लोज हुआ है। इसके अलावा निफ्टी इंडेक्स 258.40 अंक यानी 1.77 फीसदी की गिरावट के साथ 14,359.45 के लेवल पर बंद हुआ है। सोमवार के कारोबार में निफ्टी 1 हफ्ते के निचले स्तर पर बंद हुआ है। वहीं कारोबार में फार्मा शेयर्स में हल्की बढ़त रही है। सेंसेक्स में शामिल 30 में से 28 शेयरों में लाल निशान में बंद हुए, जिसमें सबसे ज्यादा गिरावट पावर ग्रिड के शेयर में रही। शेयर 4.2 प्रतिशत नीचे 201 रुपए पर बंद हुआ है। इंडसइंड बैंक और ओएनजीसी के शेयर भी 4 प्रतिशत तक गिरे। वहीं, डॉ. रेड्डीज और इंफोसिस के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए हैं। सुबह सेंसेक्स 891.22 अंक नीचे 47,940 पर और निफ्टी 311.25 पॉइंट नीचे 14,306 पर खुला था।

**- बैंकिंग और ऑटो शेयरों में भारी गिरावट**

निवेशकों ने सबसे ज्यादा बिकवाली बैंकिंग और ऑटो सेक्टर में की। निफ्टी बैंक इंडेक्स 2.4 प्रतिशत यानी 769 पॉइंट गिरकर 31,208 पर आ गया है। इसी तरह ऑटो इंडेक्स भी 2.8 प्रतिशत नीचे बंद हुआ है। बीएसई पर 3,172 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 2,195 शेयरों में गिरावट रहा। वहीं, 774 शेयरों में बढ़त दर्ज किया गया। भारी गिरावट के चलते एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर 201.75 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो शुक्रवार को 205.23 लाख करोड़ रुपए था। शुक्रवार को सेंसेक्स 28.35 पॉइंट चढ़कर 48,832.03 पर और निफ्टी 36.40 अंक ऊपर 14,617.85 पर बंद हुआ था।

## पहला कॉलम

### मनमोहन सिंह को कोविड के सकारात्मक परीक्षण के बाद एम्स में भर्ती कराया गया

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सोमवार को कोविड के सकारात्मक परीक्षण के बाद एम्स में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। सूत्रों के मुताबिक उन्हें ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि, मनमोहन सिंह जी, आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना। भारत को इस कठिन समय में आपके मार्गदर्शन और सलाह की आवश्यकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ट्वीट में कहा, अभी-अभी खबर मिली है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कोविड का सकारात्मक परीक्षण किया गया है। आपके जल्दी ठीक होने के लिए हमारी प्रार्थना।

### केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों को लिखा पत्र, अपने अपने अस्पतालों के बिस्तरों को कोविड प्रबंधन को दें

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने अपने सभी केंद्रीय मंत्रियों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को पत्र लिखकर कहा कि वे अपने अस्पतालों के बिस्तरों को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कोविड-19 प्रबंधन को दें। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, समर्पित अस्पताल वार्ड या ब्लॉक को ऑक्सीजन युक्त बिस्तर, आईसीयू बिस्तर, वेंटिलेटर और विशेष सीसीयू, प्रयोगशालाओं और किचन से लैस किया जाएगा, जिसमें समर्पित स्वास्थ्यकर्मी काम करेंगे। इन अस्पतालों या ब्लॉकों में अलग से प्रवेश या निकासी होगी। इसमें संक्रमित मरीजों का ही इलाज होगा। केंद्र सरकार ने यह कदम तब उठाया है, जब ऐसी रिपोर्टे आ रही थीं कि कुछ राज्यों में मरीजों को बिस्तर नहीं मिल पा रहे हैं।

# केंद्र सरकार का बड़ा फैसला- एक मई से 18 साल से ऊपर वाले भी लगवा सकेंगे टीका

**नई दिल्ली।**

देश में कोरोना से बचाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मीटिंग में बड़ा निर्णय लिया गया। अब एक मई से 18 साल से ऊपर के लोग भी वैक्सीन लगवा सकेंगे। फिलहाल, 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को टीका लगवाने का कार्य पहले की तरह चलता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के प्रतिष्ठित चिकित्सकों, फार्मा कंपनियों और कोविड प्रबंधन से जुड़े अफसरों के साथ मीटिंग के बाद यह अहम निर्णय लिया। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक के बाद केंद्र सरकार ने एक मई से शुरू हो रहे फेज तीन के वैक्सीनेशन अभियान के तहत उम्रसीमा की शर्त में ढील दे दी है। दरअसल, कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में ज्यादा संख्या में युवाओं के आने पर 18 वर्ष से ऊपर के सभी व्यक्ति को टीका लगवाने की छूट मिलने की मांग उठ रही थी। आखिरकार सरकार ने इस दिशा में मंथन के बाद बड़ा निर्णय लिया। इस बैठक में कई अन्य निर्णय हुए। केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन को लेकर स्थानीय स्तर पर निर्णय के लिए अथॉरिटी को स्वतंत्र किया है। इस बैठक में वैक्सीन निर्माताओं को प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए हर तरह की सुविधा बढ़ाने की बात कही गई। वैक्सीन निर्माता सरकार को वैक्सीन देने के साथ खुले बाजार में भी सरकार द्वारा निर्धारित रेट पर वैक्सीन की आपूर्ति कर सकेंगे। राज्य सरकारें निमार्ताओं से जरूरत के अनुरूप अतिरिक्त वैक्सीन खरीद सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार अधिकतम भारतीयों को टीका लगवाने के लिए पिछले एक साल से कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास 45 वर्ष से ऊपर के हर व्यक्ति को टीका लगवाने का है। क्योंकि 80 प्रतिशत मौत दर इस उम्रवर्ग के लोगों में होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ अभियान में लगे सभी हितधारकों के प्रतिबद्धता की सराहना भी की।

### ममता ने बाहरी लोगों को कोरोना के तेजी से प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराया

**कोलकाता।** मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चुनावी उद्देश्यों के लिए बाहर से आने वाले लोगों को कोविड-19 के तेजी से प्रसार के लिए जिम्मेदार ठहराया। लोगों को नहीं घबराने की सलाह देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वायरस के अनियंत्रित प्रसार पर जांच लगाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। सोमवार को मालदा जिले में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए बनर्जी ने कहा, अभियान करने के लिए एक लाख से अधिक लोग बाहर से आए हैं और वे महीनों से यहां बैठे हैं। उन्हें वापस जाना चाहिए। मैं अपने राज्य के लोगों को बाहर नहीं भेज सकती, लेकिन लोगों को सहयोग करना चाहिए। अगर वे जाते हैं तो यह बीमारी को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री बाहर के लोगों के साथ यहां आ रहे हैं और मुझे नहीं पता कि वह कोरोना पॉजिटिव हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि जो केंद्रीय बल राज्य में आ रहे हैं, उनका आरटीपीसीआर परीक्षण किया जाना चाहिए, वे 1.5 लाख से अधिक हैं और वे एक जिले से दूसरे जिले में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग राज्य के बाहर से आ रहे हैं, उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने फिर से अगले तीन चरणों के चुनाव एक साथ करने की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने कहा, मैंने चुनाव आयोग को आधिकारिक रूप से अगले तीन चरणों के चुनाव एक साथ करने के लिए कहा था। इसके लिए प्रावधान है और अगर आयोग चाहता है, तो ऐसा जा सकता है। चुनाव के कारण प्रशासन के महत्वपूर्ण लोग लगे हुए हैं और वे कोविड के लिए काम नहीं कर सकते हैं। यह राज्य के लिए एक बाधा पैदा कर रहा है।

### जम्मू-कश्मीर के शोपियां में मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

**श्रीनगर।** दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के जिपोरा इलाके में सोमवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। पुलिस ने कहा कि शोपियां में एक अज्ञात आतंकवादी मुठभेड़ में मारा गया है। पुलिस ने कहा, ऑपरेशन चल रहा है। पुलिस और सेना के एक संयुक्त दल ने इलाके का घेराव किया और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, उन्होंने सेना पर फायरिंग कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। जिसमें एक आतंकवादी मारा गया।

# बोरिस जॉनसन का दौरा फिर टला

### तीन महीने में दूसरी बार रद्द हुआ ब्रिटिश पीएम का भारत दौरा, पिछली बार 26 जनवरी पर भी कोरोनावायरस ही बना था कारण

**नई दिल्ली/लंदन।**

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को भारत के 72वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था, लेकिन ब्रिटेन में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी थी। भारत में कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपना भारत दौरा टाल दिया है। अब वह कुछ दिनों के बाद भारत आने का प्लान बना सकते हैं। जॉनसन 25 अप्रैल को भारत आने वाले थे, लेकिन भारत में कोरोना की वजह से बने मौजूदा हालात को देखते हुए इसे टाल दिया गया है।इससे पहले जॉनसन को गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर चीफ गेस्ट के तौर पर न्योता भेजा गया था। लेकिन उस वक्त ब्रिटेन में महामारी की वजह से उन्हें अपना दौरान रद्द करना पड़ा था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों की सहमति से यह फैसला किया गया है। दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाने के लिए आने वाले दिनों में वर्चुअल मीटिंग की जाएगी।

**-ब्रिटेन की विपक्षी पार्टियां बना रहीं थीं दबाव**

दुनिया में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से जॉनसन पर भारत दौरे को टालने का दबाव बढ़ रहा था। ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी ने भी जॉनसन से अपना दौरा रद्द करने की मांग की थी। लेबर पार्टी ने सवाल किया था कि जॉनसन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर ऑनलाइन चर्चा क्यों नहीं कर सकते हैं?

**-बोरिस ने भारत आने का किया था वादा**

गणतंत्र दिवस पर भारत को शुभकामनाएं देते हुए बोरिस ने कहा था कि मैं इस साल भारत आने के लिए उत्सुक हूं, ताकि हमारी दोस्ती को मजबूत कर सकें, रिश्तों को आगे बढ़ा सकें। मैं जून में होने वाली जी 7 समिट से पहले ही भारत आऊंगा।

# महाराष्ट्र में कोरोना के सारे रिकॉर्ड टूटे

### हर 3 मिनट में जान गंवा रहा 1 मरीज

**मुंबई ।**

कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में कहर जारी है। आलम यह है कि राज्य में हर घंटे कोरोना के 2 हजार नए मामले मिल रहे हैं। आंकड़ों से पता लगता है कि 2859 लोग हर मिनट कोरोना वायरस के संपर्क में आ रहे हैं और इतना ही नहीं हर 3 मिनट पर इस वायरस से एक व्यक्ति की मौत हो रही है। बता दें कि महाराष्ट्र हर दिन कोरोना के रिकॉर्ड मामले आ रहे हैं। रविवार को भी यहां कोरोना वायरस के 68 हजार 631 नए केस दर्ज किए हैं। यह पहली बार है जब राज्य में एक दिन के अंदर कोरोना के इतने मामले आए हों। नए मामलों के बाद अब तक राज्य में कोरोना के कुल 38 लाख 39 हजार 338 मामले आ चुके हैं। इतना ही नहीं, रविवार को राज्य में रिकॉर्ड 503 मौतें भी दर्ज की गईं जिसके बाद कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 60 हजार पार पहुंच गया है। नए मामलों में से 8 हजार 468 केस मुंबई के हैं। अकेले मुंबई में ही अब तक कोरोना से 12 हजार 354 लोगों की जान गई है, जिसमें से 53 मौतें रविवार को दर्ज की गईं।

बता दें कि महाराष्ट्र में फिलहाल 'मिनी लॉकडाउन' लागू है जिसमें तमाम पाबंदियां लगाई गई हैं। हालांकि, इसका असर अभी तक नहीं दिख रहा है। राज्य में वीकेंड लॉकडाउन, धारा 144 भी लागू है। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। राज्य में ऑक्सीजन की भारी कमी है। इस बीच भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि वह 'ऑक्सीजन एक्सप्रेस' ट्रेनों के जरिए राज्य में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन और ऑक्सीजन सिलेंडरों की सप्लाई करेगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में किसी भी कोरोना मरीज की मौत ऑक्सीजन की कमी के चलते नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना के मरीजों की मौत इसलिए हो रही है क्योंकि वे अस्पताल देरी से पहुंच रहे हैं। बता दें कि भारत में कोरोना वायरस के पौने तीन लाख नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 1625 मौतें भी हुई हैं। देश में कोरोना और उससे होने वाली मौतों के ये अब तक के सर्वाधिक मामले हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

## हवा में वायरस

वैज्ञानिकों ने यह बताया है कि कोरोना वायरस मुख्य रूप से हवा के माध्यम से प्रसारित हो रहा है और यह वायरस लंबी दूरी तय कर सकता है। तीन देशों के छह वैज्ञानिकों के अध्ययन का निचोड़ यह है कि हवा में ही वायरस का निपटारा करना पड़ेगा। चूंकि हम हवा में इस वायरस को फैलने से नहीं रोक पा रहे हैं, इसलिए यह तेजी से फैलता जा रहा है। शोधकर्ताओं में शामिल वैज्ञानिक लुईस जिमेनेज ने कहा है, 'हवाई संक्रमण का समर्थन करने वाले सुबूत मजबूत हैं और बड़ी बूंदों के जरिए संक्रमण का समर्थन करने वाले सुबूत लगभग नदारद हैं।' अब तक हम यही मान रहे थे कि यह वायरस ड्रॉप्लेट्स के जरिए ही ज्यादा फैलता है। ड्रॉप्लेट्स या बूंदों में भार होता है, इसलिए इनका हवा में दूर तक जाना नामुमकिन है, जबकि हवा में अगर वायरस विचरित हो रहा है, तो वह दूर तक जा सकता है। लुईस के अनुसार, यह जरूरी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण के अपने विवरण को वैज्ञानिक सुबूतों के अनुकूल करें, ताकि वायु से फैलते संक्रमण को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों की टीम ने प्रकाशित शोध की समीक्षा की है और कोरोना के हवाई मार्ग या हवाई संक्रमण की प्रबलता के समर्थन में साक्ष्यों की पहचान की है। एक मामला तो ऐसा है, जिसमें एक ही व्यक्ति से 53 लोग संक्रमित हुए हैं। वैज्ञानिकों का मानना है, निश्चित रूप से हवा के जरिए ही इतने लोगों तक संक्रमण पहुंचा होगा। मात्र किसी सतह या वस्तु को छूने से इतने लोगों को संक्रमण शायद नहीं हो सकता। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है, दुनिया में 40 प्रतिशत संक्रमण ऐसे लोगों से फैला है, जो न खांस रहे थे और न जिन्हें जुकाम था। ऐसे मौन संक्रमण ने ही पूरी दुनिया को परेशान कर रखा है। यह संक्रमण मुख्य रूप से वायु के माध्यम से ही हो रहा है। इसमें ड्रॉप्लेट्स की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि ऐसे लोगों को भी कोरोना हुआ है, जो किसी भी संक्रमित के निकट नहीं गए थे। कुल मिलाकर, यह समझ लेना चाहिए कि हवा के जरिए होने वाले संक्रमण के सुबूत मजबूत हैं। अतः यह जरूरी है कि ऐसे संक्रमण को रोका जाए। जिनको खांसी और जुकाम है, उन्हें क्वारंटीन करने से भी ज्यादा जरूरी है, उन लोगों की पहचान करना, जिनमें लक्षण स्पष्ट नहीं हैं। जांच का कोई विकल्प नहीं है। सरकार के पास इतने संसाधन होने ही चाहिए कि वह कहीं भी किसी की जांच कर सके। कोई व्यक्ति अगर जांच कराना चाहे, तो उसे संसाधन के अभाव में कभी लौटाया न जाए। अगर कहीं डरे हुए मरीजों को बिना जांच और इलाज के लौटाया जा रहा है, तो यह कोरोना फैलाने के समान अपराध है। सरकारें मास्क संबंधी नियम कड़े कर रही हैं, लेकिन देखना होगा कि सरकारी व गैर-सरकारी, सभी लोग मास्क पहनें। जब लोगों की मौत हो रही हो, तब मास्क न पहनने के लिए बहानेबाजी भी किसी अपराध से कम नहीं। जो लोग मास्क पहनना नहीं चाहते, उन्हें घर से निकलने की जरूरत नहीं। ध्यान रहे, अमेरिकी वैज्ञानिकों ने डबल मास्क को ज्यादा बेहतर बताया है। कहीं भी अगर थोड़ी सी भी भीड़ है, तो वहां डबल मास्क पहनना चाहिए। मास्क की गुणवत्ता भी जांचनी चाहिए। ऐसा न हो कि किसी भी तरह का मास्क महज दिखाने के लिए पहन लिया जाए।

# आखिर क्यों भारत से अपनी दुकान बंद कर रहे विदेशी बैंक

आर.के. सिन्हा

प्रमुख अमेरिकी बैंक ऽसिटी बैंकऽ का भारत में अपना कारोबार समेटने का फैसला कुछ गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। आखिरकार क्यों विदेशी बैंकों के भारत से पैर उखड़ रहे हैं? इनके लिए भारत क्यों काम करने का कठिन स्थान साबित हो रहा है कारोबार करने के लिहाज से? सिटी बैंक ने कहा कि ग्लोबल स्ट्रैटजी के हिस्से के रूप में वह भारत में अपना कंज्यूमर बैंकिंग बिजनेस बंद करने जा रहा है। सिटी बैंक ने भारत में प्रवेश कर 1985 में कंज्यूमर बैंकिंग बिजनेस शुरू किया था। अगर पीछे मुड़कर देखें तो पता चलता है कि बैंक ऑफ अमेरिका ने 1998 में, एएनजे ग्रिंडलेज बैंक ने 2000 में, एबीएन ऑमरो बैंक ने 2007 में, ड्यूश बैंक ने 2011 में, आईएनजी ने 2014, आबीएस ने 2015 में भारत के अपने कारोबार को या तो कम किया या बंद कर दिया। एचएसबीसी ने 2016 में अपने कामकाज को बंद तो नहीं किया पर अपनी शाखाओं की तादाद को बहुत कम कर दिया। विदेशी बैंकों के साथ सबसे बड़ी समस्या यह रहती है कि यह सिर्फ मुंबई, दिल्ली, बैंगलुरू, कोलकता, चैन्नई जैसे महानगरों और अहमदाबाद, गुरुग्राम, चंडीगढ़, इंदौर जैसे बड़े नगरों और शहरों में ही कार्यरत रहकर अपने लिए मोटे मुनाफे की उम्मीद करते हैं। ये गिनती भर की शाखाएं खोलते हैं। ये सोचते हैं कि एटीएम खोलने भर से बात बन जाएगी। ये एटीएम को शाखा के विकल्प के रूप में देखते हैं। यह सोच बिल्कुल सही नहीं है। इन्हें समझ नहीं आता कि आम हिन्दुस्तानी को बैंक में जाकर बैंक कर्मी से अपनी पास बुक या एफडी पॉलिसी को अपडेट करवाने में ही आनंद मिलता है। वहां पर उसे बैंक की नई स्कीमों के बारे में भी पता चलता है। बैंकिग सेक्टर को जानने वाले जानते हैं कि जो बैंक जितनी नई शाखाएं खोलता है वह उतना ही जनता के बीच या कहें कि अपने ग्राहकों के पास पहुंच जाता है। स्टेट बैंक और एचडीएफसी बैंक की राजधानी के व्यावसायिक हब कनॉट प्लेस इलाके में ही लगभग 10-10 शाखाएं कार्यरत हैं। इसी तरह कई प्रमुख भारतीय बैंक भारत के छोटे-छोटे शहरों, कस्बों और गांवों तक में फैले हुये हैं। एचडीएफसी, कोटक महेंद्रा बैंक, आईसीआईसाई बैंक तो प्राइवेट बैंक हैं। फिर भी इन्हें पता है कि ये उसी स्थिति में आगे जाएंगे जब ये भारत के सभी हिस्सों में अपनी शाखाएं या एटीएम खोलेंगे। ये इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आप बता दीजिए कि क्या किसी विदेशी बैंक ने बिहार के किसान को ट्रैक्टर खरीदने या आंध्र प्रदेश के युवा उद्यमी को अपना कारोबार चालू करने के लिए लोन दिया? क्या किसी को याद है कि एएनजे ग्रिंडलेज बैंक, एबीएन ऑमरो बैंक, ड्यूश बैंक, आईएनजी या आरबीएस ने कभी झारखंड के ग्रामीण इलाकों, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों या फिर उड़ीसा के सुदूर इलाकों में अपनी कोई शाखा खोली हो? अगर नहीं खोली तो क्यों नहीं खोली? क्या इनके लिए भारत का मतलब सिर्फ चंदेक गिनती भर के शहर हैं। यह तो कोई बात नहीं हुई । इन्हें भारत में अपना कारोबार करने का अधिकार है। इन्हें यह भी अधिकार है कि ये भारत में कारोबार करके मुनाफा भी कमाएं। आखिर इन्होंने निवेश भी किया होता है। पर इन्हें सिर्फ और सिर्फ मुनाफे को लेकर नहीं सोचना चाहिए। कहने दें कि ये विदेशी बैंक मोटी जेबों वालों के लिए ही अपनी आकर्षक सेवाएं लेकर आते हैं। इनके टारगेट वे ग्राहक पढ़े-लिखे आधुनिक नौजवान भी होते हैं जो मोटी सैलरी पर नौकरी कर रहे होते हैं। सिटी बैंक कंज्यूमर बैंकिंग बिजनेस में क्रेडिट कार्ड्स, रीटेल बैंकिंग, होम लोन जैसी सेवाएं दे रहा था। इस समय भारत में सिटी बैंक की 35 शाखाएं हैं। गौर करें कि सिर्फ 35 शाखाओं के साथ चल रहे ऽसिटी बैंकऽ को वित्त वर्ष 2019-20 में 4,912 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था जो इससे पूर्व के वित्त वर्ष में 4,185 करोड़ रुपये था। देखिए कि भारत में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सर्वोच्च बैंकिंग नियामक अथॉरिटी है। आरबीआई देश में बैंकिंग व्यवस्था के लिए नियम बनाता है और देश की मौद्रिक नीति के बारे में फैसले लेता है। भारत के बैंकिंग क्षेत्र में पांच तरह के बैंक काम करते हैं। ये निजी क्षेत्र के बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, विदेशी बैंक, ग्रामीण बैंक और कोपरेटिव बैंक के रूप में जाने जाते हैं। अगर बात प्राइवेट क्षेत्र के बैंकों से शुरू करें तो हमारे प्रमुख प्राइवेट बैंक हैं; एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक आदि। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक उन्हें कहा जाता है जिनमें मेजोरिटी हिस्सेदारी (51%) सरकार के पास होती है। इनमें पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया आदि आते हैं। अब बात करते हैं विदेशी बैंकों की। भारत के लिए विदेशी बैंक दो प्रकार के होते हैं। पहले, वे बैंक जो भारत में अपनी ब्रांच खोलते हैं और दूसरे वे बैंक जो भारत में अपनी प्रतिनिधि बैंकों की शाखा के माध्यम से बिज़नेस करते हैं। इन बैंकों में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, अमेरिकन एक्सप्रेस और सिटी बैंक आदि आते हैं। इनके अलावा, भारत में विभिन्न ग्रामीण बैंक और कोपरेटिव बैंक भी सक्रिय हैं। इनकी ग्राहक संख्या भी लाखों में है। एक बिन्दु पर साफ राय रखने की जरूरत है कि उन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज के स्तर को बहुत बेहतर करने की जरूरत है जिन्हें हम सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कहते हैं। इनकी स्थिति से तो सारा देश वाकिफ है। देखिए कि बैंकिंग अपने आप में आम जनता से जुड़े सेवा का क्षेत्र है। यह सेवा क्षेत्र में ही आता है। यहां पर तो वही बैंक आगे जाएगा जो अपने ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देगा, जिसकी अधिक से अधिक शाखाएं होंगी, उसके अफसर और बाकी स्टाफ अपने ग्राहकों के हितों का ध्यान रखेंगे। कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तो इसलिए ही जनता के बीच जमे हुए हैं, क्योंकि उन्हें भारत सरकार से भी मोटा बिजनेस मिल जाता है। अगर सरकार उन्हें अपने रहमोकरम पर छोड़ दे तो ये पानी भी न मांगे। देखिए भारत का बाजार अपने आप में अनंत सागर की तरह है। इसमें सबके लिए काम करके जगह बनाने और कमाने के पर्याप्त अवसर हैं। पर भारत के बाजार में वहीं बैंक टिकेंगे जो ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं देंगे और जिनकी उपस्थिति महानगरों से लेकर गांवों-कस्बों तक में होगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

## आज के ट्वीट

### अनुशासन पखवाड़े

**कोरोना संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम के उद्देश्य से संपूर्ण प्रदेश में 19 अप्रेल से 3 मई की प्रातः 5 बजे तक जन अनुशासन पखवाड़े के तहत विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया है। इस दौरान सरकारी कार्यालय, बाजार, मॉल्स तथा कार्यस्थल बंद रहेंगे। -- मु. अशोक गहलोत**

ज्ञान गंगा

## समय-संयम

श्रीराम शर्मा आचार्य

सुख, शान्ति, सन्तोष, सफलता एवं स्वास्थ्य आदि के पारितोषिक असामयिक जीवन-क्रम वालों से कोसों दूर रहा करते हैं। जिन्दगी जीने के लिए मिली है खो डालने के लिए नहीं। समय-सम्मत व्यवस्था के अभाव में इस परम दुर्लभ मानव-जीवन को न तो ठीक से किया जा सकता है और न इसका कोई लाभ ही उठाया जा सकता है। यह सम्भव तभी हो सकता है जब जीवन का प्रत्येक क्षण किसी निश्चित कर्त्तव्य के लिए निर्धारित एवं जागरूक हों। असमय सोने-जागने, खाने-पीने और काम करने वाले आजीवन आरोग्य के दर्शन नहीं कर सकते। वे सदा सर्वदा शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक अथवा आध्यात्मिक किसी-न-किसी व्याधि से पीड़ित रहेंगे। उनकी शक्ति में से कुछ को तो उनकी अव्यवस्था नष्ट कर देगी और शेष का व्याधियां शोषण कर लेंगी। समय-संयम के साथ अपना हर काम करने वाले मनुष्यों का जीवन कभी असफल नहीं हो सकता है। भले ही परिस्थितिवश वे संसार में कोई अनुकरणीय कार्य न भी कर पाएं, तब भी उनका जीवन असफल नहीं कहा जा सकता। सुख-शांतिपूर्वक एक प्रिय जिन्दगी जी लेना स्वयं ही एक बड़ी सफलता है। सफलता का मान-दंड कोई बड़ा काम ही नहीं है, उनका सच्चा मानदण्ड है-जीने की कला जो सन्तोषपूर्वक जिन्दगी को कथनीयता के साथ जी सका है, वह निःसन्देह अपने जीवन में सफल हुआ है। एक छोर से दूसरे छोर तक जिसका जीवन एक व्यवस्थित कार्यक्रम की तरह स्निग्ध गति से न चल कर ऊबड़-खाबड़ गिरता-पड़ता और उलझता सुलझता चलता है, उसके जीवन को असफल मान लेना ही न्याय-संगत होगा। समय पर हर काम करने वालों की सारी शक्तियां उपभोग में आने पर भी अक्षय बनी रहती हैं। समय पर काम करने का अभ्यास एक सजग प्रहरी की तरह ही होता है, जो किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को अपने कर्त्तव्य का विस्मरण नहीं होने देता। समय आते ही सिद्ध किया हुआ अभ्यास उसे निश्चित कार्य की याद दिला देता है और प्रेरणापूर्वक उसमें लगा भी देता है? समय आते ही उक्त कार्य योग्य शक्तियों में जागरण एवं सक्रियता आ जाती है। कार्य एवं कर्त्तव्यों की पूर्णता ही जीवन की पूर्णता है, जो कि बिना समय, संयम, एवं व्यवस्थित और क्रियाशीलता के प्राप्त नहीं हो सकती।

## आज का राशिफल

**मेष** संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

**वृषभ** पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

**मिथुन** व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कर्क** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

**सिंह** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

**कन्या** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

**तुला** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

**वृश्चिक** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

**धनु** व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**मकर** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**कुम्भ** पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मीन** जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

# शुभ संकल्प मन से जीवन को उत्कृष्टता

सीताराम गुप्ता

यदि किसी घाटी अथवा किसी बड़े से कमरे में हम कुछ बोलते हैं तो वह आवाज वहां गूंजने लगती है और बार-बार हमें सुनाई पड़ती है। इसी प्रकार से हमारे मन में उठने वाले विचारों का भी हमारे जीवन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। मन में जैसे विचार उत्पन्न होते हैं उन्हीं के अनुरूप हमारे जीवन की वास्तविकता निर्मित होती है। इसलिए अनिवार्य है कि अच्छे विचारों का चुनाव करके ही उन्हें मन के हवाले करना चाहिए। यजुर्वेद के चौंतीसवें अध्याय में छह मंत्र मिलते हैं जिन्हें शिवसंकल्प सूक्त के नाम से जाना जाता है। इन मंत्रों में मन की विशेषताएं बतलाने के साथ-साथ हर मंत्र के अंत में प्रार्थना की गई है 'तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु' अर्थात् हमारा मन शुभ संकल्पों वाला हो। शुभ संकल्प से तात्पर्य सकारात्मक सोच व कल्याणकारी संकल्प से ही है। प्रायः कहा जाता है कि पुरुषार्थ से ही कार्य सिद्ध होते हैं मन की इच्छा से नहीं। बिल्कुल ठीक बात है लेकिन मनुष्य पुरुषार्थ कब करता है? वास्तविकता तो यह है कि मन की इच्छा के बिना पुरुषार्थ भी असंभव है। मनुष्य में पुरुषार्थ अथवा प्रयास करने की इच्छा भी किसी न किसी भाव से ही उत्पन्न होती है और सभी भाव मन द्वारा उत्पन्न तथा संचालित होते हैं। अतः मन की उचित दशा अथवा सकारात्मक विचार ही पुरुषार्थ को संभव व उपयोगी बनाते हैं। पुरुषार्थ के लिए उत्प्रेरक तत्व मन ही है। कहा गया है कि मनुष्य वास्तव में वही है जो उसकी सोच है। कार्य-सिद्धि अथवा सफलता या लक्ष्य-प्राप्ति पूर्ण रूप से पुरुषार्थ पर नहीं मन की इच्छा पर निर्भर हैं। मन की इच्छा के सम्मुख कुछ भी असंभव नहीं। मन ही समृद्धि प्रदाता है तो मन ही दरिद्रता के लिए उत्तरदायी होता है। एक व्यवसायी के चार पुत्र थे। सभी मिल-जुलकर रहते थे। व्यवसायी की मृत्यु के बाद पुत्र अलग-अलग हो गए और अपना अलग-अलग व्यवसाय करने लगे। चारों भाई अलग-अलग थे लेकिन जब भी किसी संयुक्त पारिवारिक दायित्व को पूरा करने का अवसर आता सभी मिल-जुलकर उसे पूरा करते। सभी भाइयों का व्यवसाय अच्छा चल रहा था लेकिन बड़े भाई का व्यवसाय सबसे ज्यादा अच्छा था। अलग होने के कुछ दिनों के बाद ही बड़े भाई ने कहना शुरू कर दिया कि उसकी आय कम है और खर्च ज्यादा। वह संयुक्त पारिवारिक दायित्वों से बचने के लिए कहने लगा कि हमारी आय में तो हमारा अपना खर्च ही मुश्किल से चल पाता है और संयुक्त पारिवारिक दायित्वों से स्वयं को अलग कर लिया। बाकी सभी भाइयों के परिवार सीमित थे लेकिन बड़े भाई का परिवार लगातार बढ़ता ही गया। एक बेटे की चाह में बड़े भाई को पहले ही पांच बेटियां हो चुकी थीं। अब एक और बेटे की चाह में दो और बेटियों ने आकर परिवार के आकार को अच्छा-खासा विस्तृत कर दिया। बड़े भाई का कथन कि हमारी आय में तो हमारा अपना खर्च ही मुश्किल से चल पाता है धीरे-धीरे वास्तविकता में बदलने लगा। समय बीतता गया और सचमुच ऐसे हालात बन गए कि बड़े भाई के लिए परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल होता चला गया। परिणामस्वरूप जमीन-जायदाद बिकने लगी। समृद्धि का धीरे-धीरे लोप होता चला गया। आखिर ऐसा क्यों हुआ? ऐसा सब हुआ बड़े भाई की सोच के कारण। बड़ा भाई स्वार्थी हो गया था। उसकी सोच विकृत हो गई थी। विकृत सोच के कारण ही परिवार इतना बढ़ गया और काम-धंधा कमजोर होता चला गया। विकृत सोच कितने प्रकार से दुर्भाग्य को आमंत्रित कर सकती है हमारी सोच से परे है। हमारी सोच का हमारी परिस्थितियों पर सीधा असर पड़ता है। हम जैसा सोचते हैं वे विचार उसी प्रकार के वातावरण का निर्माण करने लगते हैं। यदि हमारे विचार सकारात्मक और आशावादी होंगे तो हमारे लिए अच्छी परिस्थितियां निर्मित होंगी और अच्छी परिस्थितियां हमारे जीवन में सुख-समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु लेकर आती हैं। वस्तुतः अपनी सोच द्वारा ही हम अपने भाग्य का निर्माण करते हैं। सकारात्मक सोच द्वारा सौभाग्य को तथा नकारात्मक सोच द्वारा दुर्भाग्य को आमंत्रित कर हम स्वयं अपनी नियति के नियामक होते हैं। नकारात्मक सोच से उत्पन्न कार्यों के जो दुष्परिणाम होते हैं उनसे हम सब परिचित होते हैं फिर भी कई बार स्वार्थवश अथवा लोभवश हम अपने विचारों पर नियंत्रण खो बैठते हैं। अतः हमें अपनी सोच को विकृत होने से बचाए रखना चाहिए। इच्छाएं ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं, सफलता प्रदान करने में सहायक होती हैं लेकिन केवल संतुलित सकारात्मक इच्छाएं क्योंकि जैसी इच्छा वैसा परिणाम। यदि हमारी इच्छाएं सात्विक नहीं हैं तो परिणाम भी सात्विक नहीं होंगे। इसी कारण से कई व्यक्ति तथाकथित पुरुषार्थ तो करते हैं लेकिन फिर भी सफलता से कोसों दूर रहते हैं। तभी तो कामना की गई है कि 'तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु' अर्थात् मेरा मन शुभ संकल्प वाला हो। मन तो संकल्पविकल्पात्मक है। उसमें परस्पर विरोधी भाव उत्पन्न होते रहते हैं। मन में उठने वाले विचारों पर नियंत्रण द्वारा हम केवल अच्छे विचारों का चयन करके जीवन को उत्कृष्टता प्रदान कर सकते हैं। इसके लिए सदैव सतर्क रहना अनिवार्य है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बिटक्राइन में 14 फीसदी की गिरावट

**मुंबई।** पिछले सप्ताह उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटक्राइन की कीमत में रविवार को भारी गिरावट आई। यह 14 फीसदी लुढ़ककर 51,541 डॉलर तक पहुंच गया। भारतीय रुपयों के हिसाब से एक बिटक्राइन की कीमत 36 लाख रुपए अधिक है। इसके बाद एक बिटक्राइन की कीमत 53,991 डॉलर पर पहुंच गई, जो बुधवार के उच्च स्तर के मुकाबले 12 हजार डॉलर नीचे है। दरअसल, तुर्की के सेंट्रल बैंक ने देश में खरीद के लिए क्रिप्टोकरेंसी और क्रिप्टो एसेट्स के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। तुर्की का कहना है कि इससे लोगों को भारी नुकसान होगा और इसमें लेनदेन का खतरा भी है। इसके बाद ही बिटक्राइन में गिरावट आना शुरू हुई। इससे पहले चार जनवरी को एक बिटक्राइन की कीमत 27,734 डॉलर थी। नौ फरवरी को बिटक्राइन की कीमत 44,141 डॉलर पर पहुंच गई थी। 17 मार्च को एक बिटक्राइन 55,927.77 डॉलर पर पहुंच गया। एक अप्रैल को बिटक्राइन की कीमत 60 हजार डॉलर के पार पहुंची थी। गौरतलब हैं कि ब्लूमबर्ग बिटक्राइन विशेषज्ञों का दावा है कि इसकी कीमत चार लाख डॉलर (करीब 29864140 रुपए) तक पहुंच सकती है।

## ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा कराए

**नई दिल्ली ।** औषधि क्षेत्र की कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा जमा करा दिया है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में कहा है कि ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने प्रारम्भिक सार्वजनिक पेशकश के लिये पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास विवरण पुस्तिका का मसौदा (डीआरएचपी) जमा करा दिया है। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड इकाई ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज लिमिटेड के दो रुपए अंकित मूल्य वाले अपने पास के 73,05,245 शेयर बाजार में बिक्री की प्रस्तुति (ओएफसी) के जरिए बेचेगी तथा 1,160 करोड़ रुपए के नए शेयर पेश किए जाएंगे। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 16 अप्रैल को हुई अपनी बैठक में आईपीओ के एक हिस्से के तौर पर दो रुपए प्रति शेयर मूल्य वाले 73,05,245 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश को मंजूरी दे दी।

## निर्यातकों के साथ वाणिज्य मंत्रालय की बैठक 20 को

**नई दिल्ली।** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने निर्यातकों की 20 अप्रैल को बैठक बुलाई है। इसमें कोरोना वायरस महामारी के फैलने से निर्यात क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। भारत का निर्यात में पिछले कुछ समय से सुधर रहा है। बैठक की अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। बैठक की जानकारी की पुष्टि करते हुए निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि मंत्रालय निर्यातकों से जुड़े मसलों पर चर्चा के लिए इस तरह की बैठकें आयोजित करता रहता है। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद का कहना है कि इन बैठकों का लाभ होता है। इससे निर्यातकों को अपनी बात सरकार के सामने उठाने का मौका मिलता है। मार्च में भारत का वाणिज्यिक निर्यात 60.29 प्रतिशत बढ कर 34.45 अरब डालर रहा। वैसे कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात में कुल मिला कर 7.26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 290.63 अरब डालर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के अस्थायी आंकड़े के अनुसार अप्रैल 2021 में 1-14 तरीख के दौरान निर्यात बढ़कर 13.72 अरब डॉलर रहा।

# सरकार लोगों की जान, आजीविका बचाने के लिए कर रही है काम: निर्मला सीतारमण

**बिजनेस डेस्क :**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि उन्होंने भारत में कोविड-19 के प्रकोप को रोकने के संबंध में विभिन्न उद्योग संगठनों से सलाह ली है और केंद्र सरकार, राज्यों के साथ मिलकर लोगों की जान और आजीविका बचाने के लिए काम करती रहेगी। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान से बचने के लिए कारोबारियों से सुझाव भी मांगे। कोरोना वायरस महामारी के चलते पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत का संकुचन हुआ था। वित्त मंत्री ने ट्वीट किया, ''इन व्यवसाय/चैंबर नेताओं में से प्रत्येक के साथ टेलीफोन पर बात की। उद्योग और उद्योग संघों से जुड़े मामलों पर उनकी राय ली। उन्हें बताया कि भारत सरकार विभिन्न स्तर पर कोविड की रोकथाम कर रही है। जीवन और आजीविका बचाने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने सीआईआई प्रमुख उदय कोटक, फिक्की के अध्यक्ष उदय शंकर और एसोचैम के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल सहित उद्योग संघों के प्रमुखों से बात की। इसके अलावा उन्होंने टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन, एलएंडटी के अध्यक्ष ए एम नाइक, टीसीएस के प्रबंध निदेशक राजेश गोपीनाथन, मारुति सुजुकी के चेयरमैन आर सी भार्गव, टीवीएस समूह के चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और हीरो मोटो कॉर्प के प्रबंध निदेशक पवन मुंजाल सहित कई कारोबारी प्रमुखों से कोविड-19 के बढ़ते मामलों पर बात भी की। वित्त मंत्री ने पिछले हफ्ते साफ किया था कि सरकार बड़े पैमाने पर लॉकडाउन नहीं लगाएगी और सिर्फ कोविड-19 की श्रृंखला को तोड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर रोकथाम का सहारा लिया जाएगा।

## एसबीएम ने भारत में वृद्धि के लिए गठजोड़ पर दांव लगाया

**मुंबई,** मॉरीशस सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसबीएम बैंक इंडिया अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए फिनटेक और गैर-बैंकिंग संस्थाओं के साथ साझेदारी पर जोर दे रही है और फिलहाल अधिग्रहण जैसे कदमों से शाखाएं बढ़ाने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है, जैसा डीबीएस बैंक इंडिया ने किया था। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ रथ ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एसबीएम बैंक इंडिया विभिन्न बैंकिंग लेनदेन में सहायता करके देनदारियों के संग्रह और बुकिंग शुल्क के माध्यम से कारोबार बढ़ाना चाहता है।उल्लेखनीय है कि डीबीएस बैंक ने पिछले साल निजी क्षेत्र के लक्ष्मी विलास बैंक का अधिग्रहण किया था, जिसकी 563 शाखाएं हैं। रथ ने कहा, ''डीबीएस की अपनी रणनीति है। हां, उन्होंने (डीबीएस) ने विलय-अधिग्रहण किया है... हम भी ऐसा करना चाह रहे हैं, लेकिन भागीदारों के माध्यम से।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी ऐसी साझेदारी या सौदों में दिलचस्पी होगी, जहां स्वामित्व बदलता है, तो उन्होंने कहा कि फिलहाल वह प्रौद्योगिकी-आधारित और डिजिटल मंचों के माध्यम से वृद्धि पर जोर दे रहे हैं।

## Air Asia ने यात्रियों को दी बिना शुल्क यात्रा समय, तारीख में बदलाव की सुविधा

**बिजनेस डेस्क :**

विमान सेवा देने वाली कंपनी एयर एशिया इंडिया ने रविवार को कहा कि वह 15 मई तक बुक किए गए टिकट में यात्रा समय और तारीख बदलाव के लिए कोई शुल्क नहीं लेगी। एयरलाइन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अनिश्चितता बढ़ने और यात्रा पाबंदियों के बीच यात्रियों की सुविधाओं के लिए यह कदम उठाया है। एयर एशिया इंडिया की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सभी बुकिंग के लिए 15 मई तक यात्रा समय और तारीख में असीमित मात्रा में बदलाव किए जा सकते हैं और इसके लिए यात्रियों को कोई शुल्क नहीं देना होगा इससे पहले, इंडिगो और स्पाइसजेट समेत कई विमानन कंपनियों ने इसी प्रकार की घोषणा की है और यात्रियों को बिना किसी शुल्क के यात्रा तारीख में बदलाव की सुविधा दी है। इसका कारण कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामले के बीच देश भर में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा लगाई गई पाबंदियां हैं।

# कॉरपोरेट जगत की पहल, टाटा, सेल समेत इस्पात कंपनियां कर रही ऑक्सीजन की सप्लाई

**बिजनेस डेस्क :**

टाटा स्टील ने घोषणा की कि उसने कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए विभिन्न राज्य सरकारों और अस्पतालों को दैनिक आधार पर 300 टन चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति की है। टाटा स्टील ने ट्विटर पर लिखा है, ''देश की जरूरत को ध्यान में रखते हुए, हम विभिन्न राज्य सरकारों और अस्पतालों को रोजाना 200-300 टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रहे हैं। हम कोरोना की रोकथाम के लिए जारी अभियान में साथ हैं और निश्चित रूप से इससे पार पाएंगे। निजी क्षेत्र की जेएसपीएल ने भी कहा कि वह अपने अंगुल (ओड़िशा) और रायगढ़ (छत्तीसगढ़) स्थित कारखानों से 50 से 100 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही है। इससे पहले, सार्वजनिक क्षेत्र की सेल ने शनिवार को ट्विटर पर लिखा था, ''सेल ने अपने एकीकृत इस्पात कारखाने बोकारो (झारखंड), भिलाई (छत्तीसगढ़), राउरकेला (ओड़िशा), दुर्गापुर और बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) से कोविड मरीजों के उपचार के लिए 99.7 प्रतिशत शुद्धता वाले 33,300 टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति की है। आर्सेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लि.

(एएमएनएस इंडिया) ने कहा कि वह गुजरात में स्वास्थ्य केंद्रों को प्रतिदिन 200 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोलियम और इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने देश में ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाने को लेकर शुक्रवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इस्पात मंत्रालय के अनुसार इस्पात कारखानों में 28 ऑक्सीजन संयंत्र हैं। ये संयंत्र सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में स्थित हैं जो प्रतिदिन 1,500 टन चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रहे हैं।

**रिलायंस ने की थी शुरुआत**

अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो गुजरात में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स का संचालन करती है, ने जानकारी दी थी कि रिफाइनरी ने राज्य के सामने आने वाली तीव्र कमी के कारण जामनगर से महाराष्ट्र में ऑक्सीजन की आपूर्ति शुरू कर दी हैं। इंडस्ट्रीज के प्रयासों की सराहना करते हुए स्टील मिनिस्ट्री ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से बताया, ÷सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के इस्पात संयंत्रों में स्थित लगभग 28 ऑक्सीजन संयंत्र प्रतिदिन लगभग 1,500 टन चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रहे हैं। सुरक्षा स्टॉक सहित 30,000 टन का स्टॉक चिकित्सा उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

# एटीएम से पैसा निकालने के लिए नए तरकीब अपना रहे हैं जालसाज

**बिजनेस डेस्क :**

बढ़ते साइबर हमलों के बीच बैंकों को एटीएम (ऑटोमेटेड टेलर मशीन) को लेकर सुरक्षा मानदंडों को मजबूत बनाने को कहा गया है। एटीएम में दो पक्षों के बीच संचार प्रक्रिया में तकनीक के जरिए बीच में शामिल होकर (एमआईटीएम-मैन इन द मिडिल) गलत तरीके से पैसा निकालने के बढ़ते मामलों के बीच बैंकों को यह निर्देश दिया गया है। बैंकों से 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन' (शुरू से अंत तक कूटभाषा का प्रयोग) सुनिश्चत करने का निर्देश दिया गया है यानी जो भी संदेश हो, उससे जुड़े दो पक्ष ही उसे पढ़ सके। केंद्र सरकार ने हाल में सभी बैंकों को भेजे पत्र में कहा है कि एमआईटीएम हमले बढ़ रहे हैं। इसमें 'एटीम स्विच' द्वारा 'एटीएम होस्ट' को भेजे जाने वाले संदेश में हमलावर बदलाव कर धोखाधड़ी से पैसे निकाल लेते हैं। यह एक प्रकार का साइबर हमला है। मामले से जुड़े एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों की जांच में पाया गया है कि साइबर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह ने एटीएम से पैसा निकालने को लेकर एक नया तरीका अपनाना शुरू किया है। जांचकर्ताओं के अनुसार, जालसाज पहले एटीएम के नेटवर्क (एलएएन) केबल से छेड़छाड़ करते हैं। 'एटीएम स्विच' के अस्वीकृत संदेशों को सफल नकद निकासी लेनदेन प्रतिक्रियाओं में बदल दिया जाता है, और बाद में एटीएम से नकदी निकाल ली जाती है। हमलावर पहले एटीएम परिसरों में एटीएम मशीन और राउटर या स्विच के बीच एक उपकरण लगाते हैं। यह उपकरण 'एटीएम स्विच' से वापस प्रतिक्रियाओं को संशोधित करने की क्षमता रखता है जो नेटवर्क के माध्यम से एटीएम से जुड़ा होता है। हमलावर फिर निकासी अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबंधित कार्ड (या ब्लॉक किये गये कार्ड) का उपयोग करता है। जब 'एटीएम स्विच' अस्वीकृत संदेश भेजता है, हमलावर बीच में जवाब में बदलाव करता है ताकि लेन-देन को मंजूरी मिल जाए और नकदी निकाली जा सके। अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की धोखाधड़ी को देखते हुए, बैंकों को एटीएम टर्मिनल या पीसी तथा एटीएम स्विच के बीच 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन' सुनिश्चत करने का निर्देश दिया गया है। बैंकों से कहा गया है कि एटीएम परिसर के नेटवर्क केबल, इनपुट/आउटपुट पोर्ट को छिपाया जाए और सुरक्षा गार्ड के जरिए उसे सुरक्षित रखा जाए। इसी प्रकार, का परामर्श भारतीय रिजर्व बैंक ने भी जारी किया है। इंडियन कंप्यूटर एमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) को मिली सूचना और उसके द्वारा चीजों पर रखी गई नजर के अनुसार 2018 में डिजिटल बैंकिंग से जुड़े कुल 1,59,761 साइबर सुरक्षा संबधित मामलों की रिपोर्ट दी गई। वहीं 2019 में इसकी संख्या 2,46,514 तथा 2020 में

2,90,445 हो गई। इन हमलों में, आंकड़ों में सेंध, नेटवर्क स्कैनिंग, वायरस और वेबसाइट हैकिंग शामिल हैं।

देश में 2018-19 के मुकाबले 2019-20 में डिजिटल लेन-देन में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अधिकारी के अनुसार गृह मंत्रालय राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासकों के साथ नियमित बातचीत करता रहता है और उन्हें साइबर हमलों से जुड़े मामलों के तेजी से निपटान का परामर्श देता रहा है। साइबर हमलों से निपटने और साइबर सुरक्षा के लिए सीईआरटी-इन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी इकाई है।

# अडानी का साइलो बंद करने से नुक्सान किसका हो रहा ?

**मोगा।** तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ देश के किसानों द्वारा आंदोलन शुरू किया गया है। इस आंदोलन के तहत ही किसानों द्वारा मोगा के निकट अडानी समूह द्वारा निर्मित साइलो का घेराव भी किया गया तथा वहां अनाज की हर तरह की आवाजाही बंद की गई है। यह साइलो भारतीय खाद्य निगम (एफ.सी.आई.) द्वारा अपनी भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए पब्लिक प्राइवेट भागीदारी (पी.पी.पी.) के तहत बनवाया गया है। यहां भंडारण के बदले एजैंसी को समय के हिसाब से करोड़ों रुपए अडानी समूह को अदा करने पड़ते हैं। अब जब पिछले करीब 4 महीने से किसानों ने इस साइलो को घेर कर हर तरह की गतिविधि को बंद किया हुआ है तो वहां सवाल यह पैदा होता है कि इसका नुक्सान किसको हो रहा है। अडानी समूह को या सरकारी एजैंसी को? जिक्र योग्य है क भारतीय खाद्य निगम ने पी.पी.पी. मोड पर 2 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण अडानी एग्रो लॉजिस्टिक लिमिटड द्वारा जिला मोगा के गांव डगरू में करवाया गया है। यह साइलो किसानों की उपज को जहां लाने के लिए बेहतर सड़क नैटवर्क के साथ तथा जहां से अनाज को दूसरे राज्यों में भेजने के लिए रेल सुविधा के साथ जुड़ा हुआ है। अनाज को खराब होने से रोकने के लिए तुरंत सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने के लिए इसकी जरूरत रहती है, जिस कारण साइलो के यार्ड में पूरा रेल हैड तैयार करवाया गया है। हर वर्ष लगभग 1,00,000 मीट्रिक टन गेहूं साइलो से निकाल कर दूसरी जगहों पर भेजा जाता है तथा सीजन में 1,00,000 मीट्रिक टन नई गेहूं साइलो में भरी जाती है। किसानों द्वारा साइलो के बाहर लगाए गए लगातार धरने के कारण इस वर्ष सिर्फ 40,000 टन गेहूं ही साइलो से बाहर भेजी जा सकी। इस धरने के कारण साइलो में खरीद प्रक्रिया अभी भी पूरी तह ठप्प पड़ी है। यदि धरना इसी तरह जारी रहा तो साइलो में तकरीबन 40,000 मीट्रिक टन की जगह बची

रहेगी लेकिन इस खाली जगह के लिए सरकारी एजैंसी को 10 करोड़ रुपए तक का किराया/खर्च देना ही पड़ेगा। इसके अलावा आगामी समय दौरान मोगा क्षेत्र में 1,00,000 मीट्रिक टन की स्टोरेज स्पेस की कमी सामने आएगी, जिस कारण किसानों की फसलों को खुले आसमान तले स्टोर करना पड़ेगा। इससे अनाज के खराब होने के साथ-साथ राज्य की खरीद एजैंसियों को करोड़ों रुपए का नुक्सान होगा। जगह की कमी का यह दबाव आगामी धान की सप्लाई में भी रुकावट डालेगा, जो एजैंसियों के नुक्सान में और वृद्धि करेगा।

## टीवी उद्योग की आय 2025 तक 12.3 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान: रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** देश में केबल, डीटीएच के माध्यम से देखे जाने वाले टीवी उद्योग में 7 प्रतिशत वृद्धि के साथ आय 2025 तक 12.3 अरब डॉलर (91,684 करोड़ रुपए) पर पहुंच जाने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा 2025 तक देश में 96 प्रतिशत पे-टीवी होम डिजिटल होंगे और भुगतान-टीवी ग्राहकों की संख्या बढ़कर 13.4 करोड़ हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) ग्राहकों की संख्या 2020 में 5.8 करोड़ थी जो 2025 में बढ़कर 6.8 करोड़ हो जाने का अनुमान है। इसमें कहा गया है कि पे-टीवी ग्राहकों में केबल की हिस्सेदारी 2020 में 54 प्रतिशत से घटकर 2025 में 46 प्रतिशत पर आ जाने का अनुमान है जबकि इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीविजन

(आईपीटीवी) की भी कुछ हिस्सेदारी होगी। आईपीटीवी 2021 में पेश किया जाएगा। केबल डीटीएच के जरिये टेलीविजन सेवा को पे-टीवी की श्रेणी में रखा जाता है। इसमें नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम जैसे इंटरनेट आधारित स्ट्रीमिंग सेवाएं शामिल नहीं हैं।

## विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में अबतक भारतीय बाजारों से 4,615 करोड़ रुपए निकाले

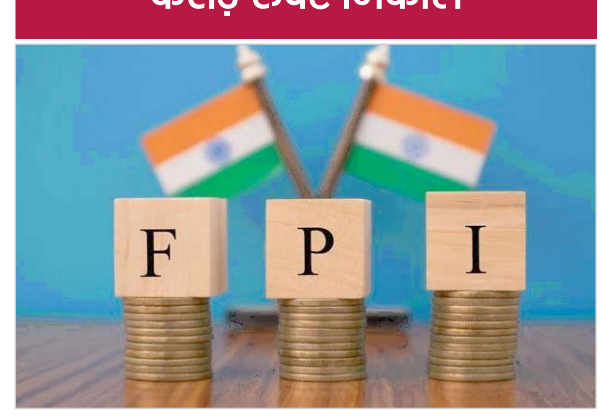


**नई दिल्ली :**

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अबतक भारतीय बाजारों से 4,615 करोड़ रुपए निकाले हैं। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच विभिन्न राज्यों में सर्वजनिक प्रतिबंधों की घोषणा बाद विदेशी निवेशकों में बेचैनी है और वे भारतीय बाजार से निकासी कर रह हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी निवेशकों ने एक से 16 अप्रैल के बीच शेयरों से शुद्ध रूप से 4,643 करोड़ रुपए निकाले और ऋण-पत्र या बांड बाजार में 28 करोड़ रुपए डाले। इस तरह भारतीय पूंजी बाजार से उनकी शुद्ध निकासी 4,615 करोड़ रुपए रही। एफपीआई ने मार्च में बाजारों में 17,304 करोड़ रुपए फरवरी में 23,663 करोड़ रुपए और जनवरी में 14,649 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं प्रमुख-बुनियादी शोध रुस्मिक ओझा ने कहा, कई राज्यों ने कोविड-19 पर अंकुश के लिए प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। संक्रमण के बढ़ते मामलों तथा भारतीय मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट से आशंकित विदेशी निवेशक धन की निकासी कर रहे हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के प्रमुख (शोध) एस रंगनाथन ने कहा, कोरोना वायरस के प्रसार की वजह से कुल धारणा प्रभावित हुई है। कई राज्यों ने महामारी का प्रसार रोकने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले सप्ताह फार्मा को छोड़कर अन्य सभी सूचकांक नुकसान में रहे।

## 'ऑडी इंडिया के प्रमुख बोले : हम 'स्ट्रैटेजी 2025' के अनुसार काम कर रहे हैं'

**जालंधर।** ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने एक प्रैस कांफ्रैंस दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''हम 'स्ट्रेटेजी 2025' के अनुसार काम कर रहे हैं जो चार स्तंभों पर आधारित है, जिनमें शामिल हैं- ग्राहक केन्द्रियता, उत्पाद, नैटवर्क और डिजिटलीकरण। 2021 में हम कई नए उत्पाद प्रस्तुत करेंगे। हमने इस साल की शुरूआत अपने एक बैस्ट-सैड्क्षलग मॉडल से की, जनवरी में हमने ऑडी ए4 लांच की, उसके बाद मार्च में ऑडी एस5 स्पोर्टबैक लांच की। उन्होंने कहा कि हमने भारत में अपनी इलैक्ट्रिक कारें पेश करने की योजना की भी घोषणा की है। हमारी योजना कारों की विस्तृत रेंज प्रस्तुत करने की भी है जिसमें सिडॉन से लेकर एस.यू.वी., आई.सी.ई. वेरिएंट से लेकर इलैक्ट्रिक कारें तथा ज्यादा तादाद में बिकने वाले मॉडलों से लेकर परफॉर्मैंस कार जैसे खास सैगमेंट तक शामिल हैं। इसके अलावा हमारा फोकस प्रि-ओन्ड लग्जरी कार कारोबार पर भी रहेगा। हम 2021 के बारे में आशावादी हैं और दोहरे अंकों में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। यह पूछने पर कि मोबिलिटी के क्षेत्र में ऑडी इंडिया की क्या योजनाएं हैं? तो

उन्होंने कहा कि मोबिलिटी को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं और हमारी योजना है कि आगामी कुछ महीनों के भीतर अपनी पहली दो ऑल-इलैक्ट्रिक कारें- ऑडी ई-ट्रॉन तथा ऑडी ई-ट्रॉन स्पोर्टबैक को हम भारत में लांच कर देंगे। भारतीय बाजार में इन उत्पादों के लांच और भविष्य को लेकर हम काफी आशावान हैं।

**महामारी ने खरीद के पैटर्न को बदला**

उन्होंने कहा कि महामारी ने खरीद के पैटर्न को बदल दिया है और डिजिटल ऐंगेजमैंट पर सकारात्मक असर डाला है। अब डिजिटल रिसर्च अधिक होने लगी है और ऑडी ने तत्काल खरीद संबंधी इस बर्ताव में बदलाव को समझा। अब लोगों को तुरंत अपने हाथ पर जानकारी चाहिए। बर्ताव में इसी बदलाव के चलते हमने डिजिटलीकरण पर जोर दिया। ऑनलाइन सेल्स एवं सर्विस प्रस्तुत करने के साथ हम डिजिटल अनुभव को अपने ग्राहकों के लिविंग रूम तक ले गए और उन्हें यह सुविधा दी कि वे ऑनलाइन ही अपनी पसंदीदा ऑडी कार खरीद सकें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सेरी-ए : एटलांटा को 20 साल बाद जुवेंतस के खिलाफ मिली जीत

**रोम।** इटालियन क्लब एटलांटा को आखिरकार 20 साल बाद जुवेंतस के खिलाफ जीत मिल ही गई है। एटलांटा ने अपने घर में खेले गए सेरी-ए लीग के मुकाबले में जुवेंतस को 1-0 से हरा दिया, जोकि लीग में 2001 के बाद से जुवेंतस के खिलाफ उसकी पहली जीत है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के रिपोर्ट के अनुसार, जुवेंतस का इससे पहले एटलांटा के खिलाफ लगातार 32 मैच जीतने का रिकॉर्ड था । जुवेंतस की टीम हालांकि इस मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना ही मुकाबले में उतरी थी। दोनों टीमों के बीच 87 मिनट तक गोलरहित थी। लेकिन तभी रुसलान मेलिनोवस्की ने शानदार गोल करते हुए एटलांटा को 1-0 से आगे कर दिया और टीम ने इसे अंत तक कायम रखते हुए जीत अपने नाम कर ली। इस जीत के बाद एटलांटा 64 अंकों के साथ तीसरे और जुवेंसत चौथे नंबर पर है। एक अन्य मैच में इंटर मिलान ने नेपोली को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया।

यूथ मुक्केबाजी

# छठे दिन भारत ने पक्के किए चार पदक

**किल्से।**

वर्ष 2019 की एशियाई युवा चैंपियन विंका और अल्फिया पठान सहित चार भारतीय महिला मुक्केबाजों ने पोलैंड के किल्से में जारी एआईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विंका और अल्फिया के अलावा गीतिका और पूनम अन्य दो मुक्केबाज हैं, जिन्होंने अंतिम-4 में प्रवेश किया और देश के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का किया। सभी चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया।पानीपत की मुक्केबाज विंका ने 60 किलोग्राम वर्ग में अपने कोलंबियाई प्रतिद्वंद्वी कैमिलो कैमेला को 5-0 से हराया, जबकि 2019 एशियाई जूनियर चैंपियन नागपुर के अल्फिया (प्लस 81 किग्रा ) ने भी हंगरी की मुक्केबाज रीका हेकमैन के खिलाफ 5-0 की आसान जीत दर्ज की।57 किग्रा वर्ग में पूनम ने कजाखस्तान की नार्जेके सेरिक के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। गीतिका (48 किग्रा) ने भी अपने प्रतिद्वंद्वी रोमानिया की एलिजाबेथ ओस्टन के खिलाफ जीत हासिल की। इस बीच, एक अन्य भारतीय महिला मुक्केबाज खुशी (81 किग्रा) को तुर्की की बुसरा इसिल्डर के खिलाफ अंतिम-8 में हार का सामना करना पड़ा। पुरुष वर्ग में, मनीष (75 किग्रा) और सुमित (69 किग्रा) ने अपने-अपने वर्ग में क्रमशः जॉर्डन के अब्दल्लाह अलारग और स्लोवाकिया के लादिसलव होरवाथ के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इस बीच, आकाश गोरखा (60 किग्रा) और विनित (81 किग्रा) को अंतिम -16 में हार का सामना करना पड़ा।सातवें दिन भारत की ओर से अरुं धति चौधरी (69 किग्रा), नाओरेम बैबीरोजिस्ना चानू (51 किग्रा) और टी. सनामाचा चानू (75 किग्रा) वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगी। पुरुष वर्ग में अंकित नरवाल (64 किग्रा), विशाल गुप्ता (91 किग्रा), बिश्वामित्रा चोंगथाम (49 किग्रा), सचिन (56 किग्रा), मनीष (75 किग्रा) और सुमित (69 किग्रा) वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेंगे।

# आईपीएल 14 : दिल्ली का सामना गत विजेता मुंबई से होगा

**चेन्नई।**

दिल्ली कैपिटल्स का सामना आईपीएल के 13वें मुकाबले में मंगलवार को गत विजेता मुंबई इंडियंस के साथ होगा।मुंबई पिछले सीजन में दिल्ली को हराकर विजेता बना था और अब दिल्ली के पास इस हार का बदला लेने का मौका रहेगा। दिल्ली की टीम इस सीजन की अंक तालिका में दूसरे और मुंबई की टीम तीसरे स्थान पर है और दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मजेदार होगा। दोनों टीमों का बल्लेबाजी और गेंदबाजी आक्रमण मजबूत है और इनके पास विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं। दिल्ली और मुंबई ने अबतक तीन-तीन मुकाबले खेले हैं जिनमें एक-एक मैच में दोनों टीमों को हार मिली है। इस मुकाबले में दिल्ली के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पर एक बार फिर सभी की निगाहें होंगी, जिन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ कसी हुई गेंदबाजी की थी। अश्विन और मुंबई के बल्लेबाजों के बीच जंग देखना दिलचस्प होगा। मुंबई की ओर से राहुल चाहर ने मुंबई को दो मैच जीताने में अहम भूमिका निभाई है। चाहर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ चार विकेट और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तीन विकेट लिए थे। दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती एमए चिदंबरम स्टेडियम की धीमी पिच पर खुद को ढालना होगा, जहां वह इस सीजन का पहला मुकाबले खेलेगी। मुंबई की टीम यहां तीन मैच खेल चुकी है।

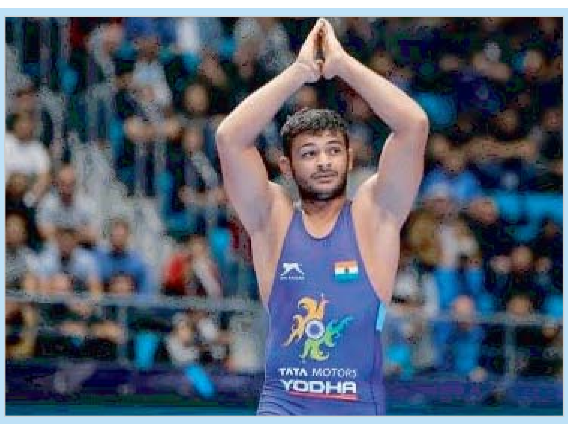

## कुश्ती : दीपक पुनिया को एशिया चैंपियनशिप में रजत पदक से करना पड़ा संतोष

**अलमाती।** भारत के पहलवान दीपक पुनिया को यहां हुए एशिया कुश्ती चैंपियनशिप में 86 किग्रा वर्ग के फाइनल में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दीपक को फाइनल में ईरान के हसन याजदानिचराती ने 10-0 से हराया। उनके अलावा भारत के एक अन्य पहलवान संजीत (92 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता। भारत ने एशिया चैंपियनशिप में पुरुष फ्री स्टाइल वर्ग में सात पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। संजीत ने उज्बेकिस्तान के रूस्तम शोडिएव को हराकर कांस्य पदक जीता। भारत फ्री स्टाइल इवेंट में ईरान के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

# अतनु, दीपिका की तीरंदाजी 'जोड़ी' विश्व कप चरण एक की चुनौती के लिए तैयार

**ग्वाटेमाला सिटी ।**

कोविड-19 महामारी के कारण लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से दूर रहने के बाद भारतीय तीरंदाज मंगलवार से यहां शुरू हो रहे विश्व कप चरण एक में चुनौती पेश करेंगे जहां सब की नजरें अतनु दास और दीपिका कुमारी की नवविवाहित जोड़ी पर होंगी। कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के रद्द होने के बाद विश्व कप चरण एक पहली वैश्विक प्रतियोगिता है। भारतीय खिलाड़ियों के लिये यह इंतजार और भी लंबा रहा क्योंकि उन्होंने बर्लिन में जुलाई 2019 में विश्व कप चरण चार सर्किट में आखिरी बार वैश्विक प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। भारतीय खिलाड़ी लय वापस पाना चाहेंगे। कोरिया, चीन, चीनी ताइपे और तुर्की जैसे एशिया की मजबूत टीमों की गैरमौजूदगी अतनु और दीपिका के नेतृत्व में भारतीय तीरंदाज तोक्यो ओलंपिक से पहले अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। कोरिया ने पहले ही कहा है कि कोविड-19 महामारी के कारण लागू यात्रा प्रतिबंधों की वजह से वह ओलंपिक खेलों से पहले 2021 विश्व कप तीसरे चरण तक किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेगा। एशिया की बड़ी टीमों की गैरमौजूदगी में यहां अमेरिकी और यूरोपीय देशों के बीच वर्चस्व की लड़ाई होगी। भारतीय तीरंदाज भी विशेषकर मिश्रित और टीम स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल चुके अतनु, प्रवीण जाधव और अनुभवी तरुणदीप राय की तिकड़ी के लिए यह पहला वास्तविक परीक्षण होगा। महिला वर्ग में, भारत को दुनिया की पूर्व नंबर एक दीपिका के जरिये एक व्यक्तिगत ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंकिता

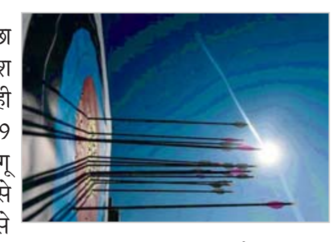

भकत और कोमलिका बारी के साथ पेरिस में अंतिम क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता से पहले लय हासिल करना चाहेगी। अंडर-18 वर्ग की विश्व चैंपियन मौजूदा चैम्पियन कोमलिका ने हाल के दिनों में हाल दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह लंबे समय के बाद देश की शीर्ष तीरंदाज दीपिका की छाया से बाहर निकलना चाहेंगी। कंपाउंड तीरंदाजों की गैरमौजूदगी में भारत को महिलाओं की टीम और मिश्रित जोड़ी टीम से पदक जीतने की उम्मीद है। कंपाउंड तीरंदाजों को दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा। कोच गौरव शर्मा के कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के बाद राष्ट्रीय महासंघ ने एशियाई चैम्पियन अभिषेक वर्मा और ज्योति सुरेखा की जोड़ी को टूर्नामेंट से हटाने का फैसला किया।

### संक्षिप्त समाचार

## इंडिया ओपन कोविड 19 महामारी के चलते स्थगित

**नयी दिल्ली ।** देश में कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों के चलते सोमवार को इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट स्थगित कर दिया गया जो तोक्यो ओलंपिक के लिये अंतिम तीन क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। नयी दिल्ली में इस 400,000 डॉलर ईनामी राशि के इंडिया ओपन को दर्शकों के बिना 11 से 16 मई तक आयोजित किया जाना था। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव अजय सिंघानिया ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा- मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए बीएआई के पास फिलहाल इस टूर्नामेंट को स्थगित करने की घोषणा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा- 'बीडब्ल्यूएफ, दिल्ली सरकार और अन्य शेयरधारकों के साथ कई राउंड चर्चाओं के बाद तथा खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा के लिये बीएआई को यह फैसला लेने की जरूरत पड़ी। कोविड-19 मामलों के बढ़ने से शीर्ष खिलाड़ियों जैसे ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन, पूर्व विश्व चैम्पियन रतचानोक इंतानोन और डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन और रासमस गेमके ने ओलंपिक रैंकिंग के टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। संशोधित कैलेंडर में सैयद मोदी सुपर 300 टूर्नामेंट भी रद्द कर दिया गया था जिसे 17 से 22 नवंबर तक कराया जाना था।

## फुटबॉल : टॉटेनहम हॉटस्पर ने कोच मोरिन्हो को बर्खास्त किया

**लंदन।** इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब टॉटेनहम हॉटस्पर ने अपने मुख्य कोच जोस मोरिन्हो को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है। मोरिन्हो को करीब 17 महीने तक कोच रहने के बाद उनको पद से हटाया गया है। मोरिन्हो नवंबर 2019 में हॉटस्पर के कोच बने थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, टॉटेनहम हॉटस्पर ने वेबसाइट पर बयान जारी कर कहा, क्लब ने आज मोरिन्हो और उनके कोचिंग स्टाफ जाआओ साक्रामेंटो, नुनो सांतोस, कार्लोस लालिन और गिओवानी केरा को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया है। क्लब के चैयरमैन डेनियल लेवी ने कहा, मोरिन्हो और उनका कोचिंग स्टाफ चुनौतीपूर्ण समय में हमारे साथ रहा। मोरिन्हो काफी प्रोफेशनल हैं और उन्होंने महामारी के वक्त काफी समर्थन किया। निजी स्तर पर मैंने उनके साथ काम करने का आनंद उठाया। हम उनका और कोचिंग स्टाफ का क्लब के लिए योगदान देने पर धन्यवाद देते हैं। उन्होंने मौरिसियो पोशेटिनो का स्थान लिया था। मोरिन्हो के मार्गदर्शन में हॉटस्पर ने प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में छठा खिताब जीता था। हॉटस्पर इस समय ईपीएल की अंकतालिका में सातवें नंबर पर है। टीम को पिछले तीन मैचों से केवल दो ही अंक मिला है। लेकिन मार्च में उसे यूरोपा लीग से बाहर होना पड़ा था। हॉटस्पर को अब रविवार को काराबाओ कप में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलना है।

# इटली ग्रां प्री : हैमिल्टन को भारी पड़ी छोटी सी गलती, मैक्स वेर्स्टाप्पेन की जीत

**जालन्धर :**

इटली की फार्मूला 1 ग्रां प्री एमिलिया रोमाग्ना में लुईस हैमिल्टन को एक छोटी-सी गलती भारी पड़ गई। रैड बुक के मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने इसका फायदा उठाकर और अंत तक लीड बनाए रखी। इसके अलावा बोटास और विलियम्स चालक जॉर्ज रसेल भी दुर्घटना के कारण रेस से बाहर हो गए। फिलहाल मैक्स के लिए यह उनके करियर की 11वीं जीत है। ब्रिटेन के लिए लांडो नॉरिस तीसरे स्थान पर रहे। 2012 के बाद पहली बार था जब 2 ब्रिटिश ड्राइवर फार्मूला-1 के फाइनल में पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहे हो।

**विजेता मैक्स वेर्स्टाप्पेन बोले-**

यह बहुत चुनौतीपूर्ण था, खासकर शुरुआत में। ईमानदार से कहूं तो ट्रैक फिसलन भरा था। लेकिन मुझे लगता है हमने अ'छे से स्थिति संभाली।

**रनरअप लुईस हैमिल्टन बोले-**

बहुत समय बाद मुझसे गलती हुई। इस कार को मैं अपने घर लेकर जाऊंगा।

**ऐसे बनाए रखी लीड**

| प्रैक्टिस | समय | स्थान |
|---|---|---|
| प्रैक्टिस -1 | 1.16.622 | तीसरा नंबर |
| प्रैक्टिस -2 | 1.16.999 | 14वां नंबर |
| प्रैक्टिस -3 | 1.14.958 | पहला नंबर |

**लीडरबोर्ड**

| स्थान | ड्राइवर | टीम | प्वाइंट | समय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैक्स वर्स्टप्पेन | रैड बुल | 25 | 2.02.34.598 |
| 2 | लुईस हैमिल्टन | मर्सिडीज | 19 | +22.0 |
| 3 | लांडो नॉरिस | मैक्लेरेन मर्सिडीज | 15 | +23.702 |
| 4 | चार्ल्स लेक्लर्क | फरारी | 12 | +25.579 |
| 5 | कार्लोस सेंज | फरारी | 10 | +27.036 |
| 6 | डैनियल रिकार्डो | मैक्लेरेन मर्सिडीज | 8 | +51.220 |
| 7 | लांस स्ट्रॉल | एस्टोन मार्टिन मर्सिडीज | 6 | +52.818 |

## श्रीलंकाई खिलाड़ी दिलहारा पर ICC ने लगाया 8 साल का बैन, यह है वजह

**कोलंबो ।**

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर दिलहारा लोकुहेटगे पर उसकी भष्ट्राचार रोधी संहिता के उल्लंघन को लेकर आठ साल का प्रतिबंध लगाया है। इस दौरान वह किसी भी तरह से क्रिकेट के साथ कोई संपक र्नहीं रख पाएंगे। इससे पहले लोकुहेटगे पर तीन अप्रैल 2019 से प्रतिबंध लगा था जब वह अस्थायी रूप से निलंबित थे। आईसीसी भष्ट्राचार निरोधक न्यायाधिकरण सुनवाई के दौरान 40 वर्षीय लाकेहेटगे को 2017 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेली गई टी-10 लीग में आईसीसी की भष्ट्राचार रोधी संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। सुनवाई के दौरान लाकेहेटगे को अनुच्छेद 2.1.1 के तहत मैच फिक्सिंग संबंधित समझौते के लिए पाट्री बनने, अनुच्छेद 2.1.4 के तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी खिलाड़ी को जानबूझकर अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन का भागीदार बनाने और अनुच्छेद 2.4.4 के अनुसार भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने संबंधी आरोपों को लेकर भी आईसीसी की एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) के पास रिपोट र्न किए जाने का दोषी पाया गया है। आईसीसी की इंटेग्रिटी यूनिट के महाप्रबंधक एलेक्स मार्शल ने सोमवार को कहा, '' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व करने के बाद दिलहारा ने कई भ्रष्टाचार-रोधी शिक्षा सत्रों में भाग लिया था और उन्हें पता था कि उनकी यह हरकतें भष्ट्राचार रोधी संहिता का उल्लंघन है। ये प्रतिबंध उनके अपराधों की गंभीरता को दर्शाते हैं। उन्होंने सहयोग के लिए इंकार कर दिया है, लेकिन उन्हें किसी भी तरह के भ्रष्टाचार में शामिल होने के बारे में बातचीत करके आगे भ्रष्टाचार होने से रोकना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2019 में आईसीसी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन संबंधी तीन आरोपों के आधार पर उन्हें अंतरिम रूप से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद इस साल जनवरी में उन पर लगे आरोप साबित हुए।

## बिपिन सिंह ने मुंबई सिटी एफसी से अनुबंध बढ़ाया

**मुंबई ।**

मुंबई सिटी एफसी ने सोमवार को घोषणा की कि भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बिपिन सिंह ने अनुबंध बढ़ाने पर हस्ताक्षर किये हैं जिससे वह मई 2025 तक क्लब से जुड़े रहेंगे। मणिपुर के 26 साल के विंगर ने ओड़िशा एफसी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 2020-21 इंडियन सुपर लीग की एकमात्र हैट्रिक की थी।इस खिलाड़ी ने एटीके मोहन बागान के खिलाफ 90वें मिनट में गोल दागकर मुंबई सिटी को पहली बार इस लीग का खिताब दिलाया था। बिपिन क्लब के लिये 45 मैच खेल चुके हैं और हाल में समाप्त हुई आईएसएल में 22 मैचों में छह गोल किये और चार गोल करने में मदद की।

# टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलते नजर आ सकते हैं डीविलियर्स

**दिल्ली ।**

जमैका के स्टार धावक योहान ब्लैक क्रिकेट के मुरीद हैं और वह चाहते हैं कि एबी डीविलियर्स अंतरराष्ट्रीय संन्यास से वापसी कर टी-20 विश्व कप सहित आगामी टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करें। डीविलियर्स खुद भी भारत में इस साल के अंत में होने वाले टी-20 विश्व कप में खेलने को उत्सुक हैं और इंडियन प्रीमियर लीग के अंत में उनके इस मुद्दे पर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर से बात करने की उम्मीद है। ब्लैक ने डीविलियर्स की रविवार को चेन्नई में इंडियन प्रीमियर लीग में खेली गई शानदार पारी के बाद ट्वीट किया, 'वाह, डीविलियर्स अलग स्तर का खिलाड़ी है। दक्षिण अफ्रीका तुम्हें इस खिलाड़ी की जरूरत है।' ओलंपिक रजत पदक विजेता ब्लैक 100 मीटर के युवा विश्व चैंपियन हैं, वह पहले भी विराट कोहली और डीविलियर्स की वजह से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलने की इच्छा जता चुके हैं। डीविलियर्स ने मई 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को कोलकाता नाइटराइडर्स पर जीत दिलाने के बाद कहा, 'हमें आईपीएल के दौरान कुछ बातचीत करनी है। लेकिन हां, हम इसके बारे में पहले से ही बातें कर रहे हैं।' सैंतीस साल के इस खिलाड़ी ने साथ ही कहा, 'अगर मेरे लिए कोई जगह नहीं है तो कोई बात नहीं। अगर मैं इसमें शामिल हो सकता हूं और अगर मुझे स्थान मिल जाता है तो यह शानदार होगा। आईपीएल के अंत में बाउची (मार्क बाउचर) के साथ बाचचीत का इंतजार कर रहा हूं और हम इसके अनुसार ही योजना बनाएंगे।'

## मैक्सवेल को बेंगलोर की टीम में ढलने में समय नहीं लगा : कोहली

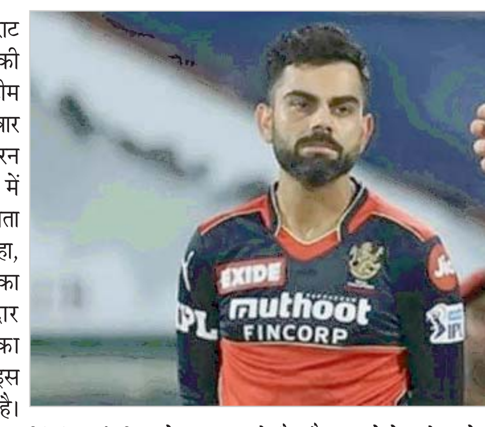

**चेन्नई।** रॉयल चेलेंजर बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने टीम के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की सराहना करते हुए कहा है कि मैक्सवेल को टीम में ढ़लने में समय नहीं लगा।मैक्सवेल ने रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 78 रन बनाए थे और टीम को 38 रन से मिली जीत में अहम भूमिका अदा की थी। बेंगलोर ने कोलकाता को 205 रनों का लक्ष्य दिया था। कोहली ने कहा, पारी के बीच में ही मुझे लगा था कि हम 200 का स्कोर पार कर लेंगे। मैक्सवेल ने शानदार बल्लेबाजी की और एबी डीविलियर्स ने उनका बखूबी साथ दिया।उन्होंने कहा, मैक्सवेल जब इस फॉर्म में होते हैं तो उन्हें रोकना काफी मुश्किल है। हमने इस धीमी पिच पर 40 रन अतिरिक्त बनाए। डीविलियर्स टीम को पसंद करते हैं और इन दोनों बल्लेबाजों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। इसके बावजूद कुछ विभाग हैं जिनमें हमें काम करने की जरूरत है। कोहली ने कहा, मोहम्मद सिराज का आंद्रे रसेल के खिलाफ इतिहास है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वह अलग गेंदबाज बन गए हैं। हर्षल को भी अंत में स्पष्टता समझ आई।

# सनी लियोन

## ने मास्क लगाकर किया ऐसा काम, बोलीं- मुश्किल है लेकिन सुरक्षा भी जरूरी

सनी लियोन (Sunny Leone) ने एक वर्कआउट वीडियो शेयर करके प्रेक्टिस के दौरान मास्क पहनने की परेशानी को शेयर किया. इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने बताया कि यह जरूरी भी है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोन (Sunny Leone) ने महसूस किया कि किस तरह मास्क के साथ मुक्केबाजी का अभ्यास करना मुश्किल है, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान चेहरे को ढंकना भी काफी जरूरी है. अपने नए इंस्टाग्राम वीडियो पोस्ट में सनी बॉक्सिंग गियर में दिखाई दे रही हैं. वह अपने ट्रेनर के साथ मुक्काबाजी करती हुई दिखाई दे रही हैं.

फूल गई सांस और हांफने लगीं सनी

बॉक्सिंग सेशन के अंत में उनकी सांस फूल जाती हैं और उन्हें हांफते हुए देखा जा सकता है मगर फिर भी वह अपना मास्क नहीं हटाती हैं. इसलिए उन्होंने अपने इस वर्कआउट वीडियो को शेयर करने की वजह भी इस वीडियो के कैप्शन में लिखी है.

**कंफर्ट से जरूरी सुरक्षा**

सनी ने वीडियो के साथ कैप्शन के रूप में लिखा कि वह हमेशा वर्कआउट वीडियो पोस्ट नहीं करती हैं, लेकिन वीडियो उन्हें काफी मजेदार लगा. उन्होंने फाइटर्स के लिए मास्क के साथ अभ्यास को काफी मुश्किल बताया और कहा कि मास्क के साथ यह काफी मुश्किल है, लेकिन इस समय कंफर्ट ( आराम की अवस्था) से कहीं अधिक सुरक्षा जरूरी है.

**केरल में हैं सनी लियोनी**

वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी लियोन (Sunny Leone) इन दिनों आगामी साइको थ्रिलर फिल्म शेरो की शूटिंग के लिए केरल में हैं. वह इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा में हैं.

# रिया चक्रवर्ती

## निकलीं घूमने, एयरपोर्ट पर उखड़ी-उखड़ी आईं नजर

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) की जिंदगी में बहुत प्रभाव पड़ा है. उन्हें जेल तक जाना पड़ा. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया से भी दूरी बना ली. लेकिन अब धीरे-धीरे रिया की जिंदगी नॉर्मल हो रही है. हाल ही में एक्ट्रेस को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वो कहीं घूमने निकली हैं.

**एयरपोर्ट के बाहर स्पॉट हुईं रिया**

रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) हाल ही में एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं. एयरपोर्ट पर रिया का अंदाज काफी अलग दिखा. वह ट्रेडिशनल अवतार में नजर आईं. उन्होंने लाइट ग्रीन कलर के चिकनकारी कुर्ते के साथ व्हाइट प्लाजो पहना हुआ था. सेफ्टी का खास ध्यान रखते हुए उन्होंने मास्क और शील्ड भी लगाई हुई थी.

**किताब के साथ फोटो की शेयर**

हाल ही में रिया (Rhea Chakraborty) ने सोशल मीडिया पर एक किताब पढ़ते हुए तस्वीर शेयर की थी. फोटो में रिया रवींद्रनाथ टैगोर की किताब पढ़ती नजर आ रही थी. जिसके साथ ही उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर की एक किताब की लाइन कैप्शन में लिखी थी.

**साकिब के साथ आईं थीं नजर**

रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) साकिब सलीम के साथ अलीबाग से लौटते हुए नजर आईं थी. रिपोर्ट्स की माने तो दोनों अलीबाग में एक पार्टी में शामिल हुए थे. इस पार्टी में मनीष मल्होत्रा भी थे.

**इस फिल्म में आएंगी नजर**

आपको बता दें, रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) जल्द ही रुमी जाफरी की फिल्म %चेहरे% में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी लीड रोल में नजर आने वाले हैं. यह फिल्म 9 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी मगर कोरोना वायरस के बढ़ते केस के चलते इसे पोस्टपोन कर दिया गया है. चेहरे के पोस्टर और टीजर में रिया फैंस को नजर नहीं आईं थी. मगर कुछ समय पहले जब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ तो उसमें फैंस को रिया की एक झलक देखने को मिली है.

## हवा में उड़ीं दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर शेयर किया हैरतअंगेज पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी (Disha Patani) कितनी फिट हैं इस बात का अंदाजा आप उनके इंस्टाग्राम से लगा सकते हैं. दिशा आए दिन अपने वीडियोज शेयर करती रहती हैं, जिसमें वो कुछ ना कुछ करतब दिखाती ही रहती हैं.

**हवा में उड़ीं दिशा**

दिशा (Disha Patani) जिम में खूब पसीना बहाती हैं. हाल ही में दिशा ने इंस्टा पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो हवा में एक चिड़िया की तरह पंख फैलाए किक मारती हुईं नजर आ रही हैं. इस पोस्ट को शेयर करते वक्त एक्ट्रेस ने लिखा- पुराना वीडियो जब मेरे पंख हुआ करते थे.

**बॉडीसूट में की फोटो शेयर**

हाल ही में दिशा ने बॉडीसूट में बेहद हॉट तस्वीरें शेयर की थीं. इन तस्वीरों में दिशा (Disha Patani) बेहद ग्लैमरस दिखाई दे रही थीं. डीप नेक और उनके किलर पोज किसी भी हैरान करने के लिए काफी हैं. इसके साथ ही दिशा अपनी स्लिम फिगर भी फ्लांट कर रही हैं.

**मिनी स्कर्ट में दिखा ग्लैमरस अवतार**

दिशा (Disha Patani) अक्सर ही बॉडीसूट के साथ तस्वीरें साझा करती हैं, लेकिन उनका इन बोल्ड कपड़ों में कॉन्फिडेंस देखने लायक होता है. दिशा अपने बोल्ड कपड़ों के साथ भी सबसे ज्यादा सहज रहती हैं. पिछले दिनों भी दिशा ने बॉडीसूट और मिनी स्कर्ट के साथ तस्वीरें साझा की थीं. जिसमे वो अपने सेक्सी कर्व्स और बैक फ्लांट करते नजर आ रही थीं.

## महाराष्ट्र में लागू हैं पाबंदियां, फिर भी पार्टी करती हुई नजर आईं जाह्नवी कपूर

**बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर (Janhvi Kapoor) पार्टी करती दिखीं. इस वीडियो में एक्ट्रेस का फनी अंदाज भी देखने को मिला.**

कोरोना वायरस (Corona Virus) के कहर से पूरा देश परेशान है. महाराष्ट्र इस समय सबसे प्रभावित राज्य बना हुआ है. अब लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने 15 दिन के लिए लॉकडाउन जैसी पाबंदियों का ऐलान किया है. इसी बीच जाह्नवी कपूर (Janhvi Kapoor) पार्टी करती हुईं दिखाई दीं.

**जाह्नवी कपूर ने शेयर किया वीडियो**

जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने इंस्टाग्राम ( Instagram) पर अपना एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में वो अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती हुईं नजर आ रही हैं. कभी घर के अंदर, तो कभी पूल के पास जाह्नवी अपने दोस्तों के साथ डांसिंग का जलवा दिखा रही हैं.

**वीडियो में दिखाया फनी अंदाज**

जाह्नवी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा है. जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को पोस्ट करते हुए इसके साथ कैप्शन में लिखा, मैं वाकई चाहती हूं कि काश हम इससे बेहतर इसे कर सकते, लेकिन. इसके साथ उन्होंने कुछ अजीब एक्सप्रेशन वाले इमोजी भी बनाए हैं.

**जाह्नवी कपूर की फिल्म**

जाह्नवी कपूर (Janhvi Kapoor) के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल ही में फिल्म रूही में लीड किरदार में देखा गया था. इसके बाद से वह फिल्म 'गुड लक जैरी' की शूटिंग में बिजी हैं.

# पत्नी को दें सम्मान

**अपने से बुरा व्यवहार किसी को पसंद नहीं आता, फिर घर की लक्ष्मी का तिरस्कार, कई मामलों में उसकी रूचि खत्म कर सकता है। यदि दोनों कामकाजी हैं तो अहम के टकराव के चलते तलाक तक हो सकता है।**

पति-पत्नी का रिश्ता बेहद नाजुक, किन्तु प्रेम से भरा होता है। दो अनजान लोग विवाह बंधन में बंधकरएक हो जाते हैं और पूरी उम्र साथ काटते हैं।
हमारे देश में विवाह सात जन्मों का बंधन माना जाता है, लेकिन इस रिश्ते को तोड़ सकती है तो केवल एक-दूसरे के प्रति सम्मान की कमी।

## क्या हो सकता है ?

अपने से बुरा व्यवहार किसी को पसंद नहीं आता, फिर घर की लक्ष्मी का तिरस्कार, कई मामलों में उसकी रूचि खत्म कर सकता है। यदि दोनों कामकाजी हैं तो अहम के टकराव के चलते तलाक तक हो सकता है।

## क्यों दें सम्मान?

दूसरे को सम्मान देना तो हमारी तहजीब व संस्कृति है, इसमें भला शर्म कैसी? पत्नी आपके सुख-दुख की बराबर की हकदार है।
आप अपने बच्चों के लिए अच्छा उदाहरण कभी नहीं बन पाएंगे। स्वयं की श्रेष्ठता प्रमाणित करने के लिए कभी अपशब्दों का सहारा लेने से काम नहीं बनेगा।

## क्या होता है ऐसे रिश्तों में

यदि पति पत्नी को सबके सामने या घर पर सम्मान नहीं देता तो इससे दाम्पत्य जीवन पर बुरा असर पड़ता है।
बच्चे भी मां को सम्मान नहीं देंगे।
संयुक्त परिवार है तो अन्य रिश्ते-नातों पर भी फर्क पड़ेगा।
पत्नी के मन में या तो कुंठा पलने लगेगी या विद्रोह पनपेगा।
पत्नी यदि जवाब देने लग जाए अथवा विरोध करेगी तो घर युद्ध का मैदान बन जाएगा।
बच्चों में अच्छे संस्कार नहीं पनपेंगे। उनकी भाषा भी असंयत हो जाएगी।

**प्यार से बोल के तो देखें**

पत्नी से प्यार से बोल कर तो देखें, उसे सम्मान देकर तो देखें, आपका दाम्पत्य गुलजार हो जाएगा।
सम्मान केवल बोली में ही नहीं, हाव-भाव आचार-व्यवहार में भी दिखना चाहिए।
गृहस्थी तो दो पहियों की गाड़ी है, यदि एक पहिया भी असंतुलित हुआ तो मुश्किल होगी। जीवन साथी को सम्मान देने से आप नीचे नहीं हो जाते है, बल्कि आपका बड़प्पन, शिक्षा व उसके प्रति चिन्ता झलकती है।

## कैसे बदलें आदत

यदि आप भी आज तक पत्नी को कमतर समझते आ रहे हैं तो प्रण कीजिए कि अपनी आदत बदलेंगे।
शुरूआत उसके हर काम को महत्व देने से करें।
शुक्रिया-धन्यवाद कहने से पत्नी का मनोबल बढ़ेगा।
यदा-कदा तारीफ करें तो बड़प्पन आपका ही झलकेगा।
पत्नी से ऊंची आवाज में बात करना या छोटी-छोटी गलतियों के लिए उसे डांटना बंद कर दीजिए।
बच्चों से भी मम्मी से ऊंची आवाज में बात करने को मना करें।
पत्नी की राय किसी मुद्दे पर आपसे अलग है तो धैर्यपूर्वक उसकी बात सुनें, हो सकता है वो सही हो।
शुरूआत मे हिचक हो सकती है, पर घबराए नहीं। आप सुदृढ़ दाम्पत्य की ओर ही कदम बढ़ाएंगे।

# आपके घर है पार्टी

**पार्टी में मेजबान की हैसियत से आपको मेहमानों को खाना भी सर्व करना पड़ सकता है। अगर आप एप्रिन नहीं पहनेंगी तो हो सकता है, खाना सर्व करते वक्त खाने की कुछ बूंदें आपके कपड़ों पर गिर जाएं और आपका पार्टी वियर खराब हो जाए।**

अगर आप अपने घर में पार्टी देने की सोच रही हैं और चाहती हैं कि हर कोई आपकी मेहमाननवाजी और आपकी तारीफ करे तो पार्टी के वक्त आपको इन छोटी-छोटी बातों पर जरूर ध्यान देना होगा।

## न पहनें भारी गहने

आप मेजबान हैं तो जाहिर तौर पर आपको खाना बनाना और सर्व करना भी होगा। ऐसे में भारी-भरकम गहने आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसलिए आप हल्की और आसानी से पहनी जा सकने वाली ज्वैलरी को तरजीह दें।

## कपड़े के ऊपर पहनें खूबसूरत एप्रिन

पार्टी में मेजबान की हैसियत से आपको मेहमानों को खाना भी सर्व करना पड़ सकता है। अगर आप एप्रिन नहीं पहनेंगी तो हो सकता है, खाना सर्व करते वक्त खाने की कुछ बूंदें आपके कपड़ों पर गिर जाएं और आपका पार्टी वियर खराब हो जाए। एप्रिन पहनने से इस परिस्थिति से बचा जा सकता है। हां, एप्रिन आपका काफी सुंदर होना चाहिए।

## आस्तीन को करें ऊपर

अगर आपने पार्टी के दौरान ऐसा कपड़ा पहना है, जो पूरी आस्तीन का है तो आस्तीनों को थोड़ा मोड़कर कोई स्टाइलिश बटन या पिन लगा लें। इससे खाना सर्व करते वक्त आपके कपड़े खराब नहीं होंगे।

## टिकाऊ लिप ग्लॉस लगाएं

पार्टी के दौरान मेकअप ठीक करने का मौका आपको नहीं मिलेगा, इसलिए मेकअप करते वक्त आप लंबे समय तक चलने वाला ब्राइट रंग का लिप ग्लॉस लगाएं। इससे आपका चेहरा लंबे समय तक दमकता रहेगा। इसके अलावा वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करें, जो पसीने से खराब न हो।

## पहनें फ्लैट चप्पल

पार्टी के दौरान बहुत सारे काम होते हैं। इसलिए आप हील्स की जगह स्टाइलिश फ्लैट चप्पल पहनें। इससे आप आराम महसूस करेंगी और आसानी से हर काम भी कर पाएंगी।

**पुराना और काम में न आने वाला कद्दूकस फेंकने से पहले एक बार फिर सोच लें। इस पुराने कद्दूकस को आप अपने पसंदीदा रंग या नीले, गुलाबी रंग से पेंट करें। पेंट सूख जाने के बाद अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रखकर अपनी ईयररिंग्स इस पर टांग सकती हैं।**

# इनसे बनाएं ज्वैलरी होल्डर्स

ज्वैलरी किसे पसंद नहीं होती, लेकिन अक्सर महिलाएं ज्वैलरी को इधर-उधर रख देती हैं। इस आदत का नुकसान तब उठाना पड़ता है, जब किसी जरूरी पार्टी में जाना हो और ज्वैलरी आसानी से न मिले। ऐसी परिस्थिति से बचने के लिए पुरानी चीजों से बनाएं ये अनोखे ज्वैलरी होल्डर।

## कद्दूकस ईयररिंग्स होल्डर

पुराना और काम में न आने वाला कद्दूकस फेंकने से पहले एक बार फिर सोच लें। इस पुराने कद्दूकस को आप अपने पसंदीदा रंग या नीले, गुलाबी रंग से पेंट करें। पेंट सूख जाने के बाद अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रखकर अपनी ईयररिंग्स इस पर टांग सकती हैं।

## चॉपिंग बोर्ड होल्डर

किचन में इस्तेमाल होने वाले पुराने चॉपिंग बोर्ड से बढिया ज्वैलरी होल्डर शायद ही कोई हो। इसे पेंट करके कील की सहायता से लटकाएं। उसके बाद छोटे-छोटे हुक्स लगाकर आप नेकलेस, ईयररिंग्स और ब्रेसलेट को आसानी से टांग सकती हैं।

## फोटो फ्रेम होल्डर

पुराना फोटो फ्रेम खाली करें। रूई और कपड़े की मदद से छोटी-सी गद्दी बनाएं और फिर इसको पुराने फोटो फ्रेम के पीछे चिपकाएं। इसमें हुक आदि की मदद से ईयररिंग्स, चेन आदि टांगें। पुराने तकिए या कुशन की रूई गद्दी बनाने के काम में लें।

## हैंडल होल्डर

ड्रेसिंग टेबल पर या किसी भी ड्राअर की साइड में आप एक तरफ से खुला हैंडल लगवाएं। इस हैंडल पर आसानी से अपने बैंगल्स, कड़े, चेन आदि टांग सकती हैं। खासकर बच्चों की ज्वैलरी इस पर टांगें, उन्हें लेने-पहनने में आसानी होगी।

## हैंगर होल्डर

ड्रेसिंग टेबल के पास हैंगर को लटकाएं। इसके ऊपर ब्रेसलेट, मालाएं, नेकलेस और ईयररिंग्स, यहां तक कि अपने सनग्लासेस को भी आसानी से टांग सकती हैं। जब भी बाहर जाना हो, आसानी से इस पर से अपनी ज्वैलरी उतारें और पहनें।

## कप-प्लेट होल्डर

घर में क्रॉकरी सेट तो बहुत होंगे। उनमें से कई कप-प्लेट पुराने पड़ चुके हैं तो आप उन्हें छोटी-मोटी ज्वैलरी रखने के लिए ज्वैलरी होल्डर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ये आपकी ज्वैलरी को धूल-गंदगी से भी सुरक्षित रखेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# जयशंकर ने UAE समकक्ष के साथ कोविड के बाद अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने बारे की चर्चा

**दुबई:**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के अपने समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल नाहयान से एक बार फिर ''उपयोगी वार्ता'' की, जिसमें दोनों नेताओं ने कोविड-19 के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक चर्चा की। जयशंकर द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रविवार को यहां पहुंचे। जयशंकर ने रविवार को ट्वीट किया, '' द्विपक्षीय सहयोग पर यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल नाहयान के साथ एक बार और उपयोगी वार्ता हुई। हमने फरवरी में इस विषय पर शुरू हुई वार्ता को आगे बढ़ाया। इस दौरान कोविड-19 के बाद आर्थिक विकास को पटरी पर लाने पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने इसके साथ एक तस्वीर भी ट्वीट की, जिसमें वह बाहर बैठकर यूएई के विदेश मंत्री के साथ वार्ता करते दिख रहे हैं। यूएई की आधिकारिक 'डब्ल्यूएएम' संवाद समिति ने बताया कि दोनों नेताओं ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उन तरीकों पर चर्चा की, जिनसे भारत और यूएई के नेतृत्व की आकांक्षाएं पूरी हो सकें और लोगों को लाभ पहुंच सके। शेख अब्दुल्ला ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि यूएई और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी वाणिज्यिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं अन्य क्षेत्रों में विकास के लिए और अवसर पैदा करने में योगदान देती है। WAM ने बताया कि दोनों नेताओं ने कोविड-19 संबंधी हालिया घटनाक्रम, इससे निपटने के दोनों देशों के प्रयासों और सभी देशों को टीके मुहैया कराने के वैश्विक प्रयासों पर भी चर्चा की। उसने बताया कि शेख अब्दुल्ला ने महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग की भी प्रशंसा की।

शेख अब्दुल्ला 26 फरवरी को नयी दिल्ली गए थे और उन्होंने जयशंकर से वार्ता की थी। इससे पहले जयशंकर कोविड-19 महामारी के बीच 25 और 26 नवंबर को दो दिन की यात्रा पर यूएई आए थे। इस बीच, दिलचस्प बात यह है कि जयशंकर की यात्रा के बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी UAE के दौरे पर हैं और यह ऐसे समय में हुआ है, जब यूएई भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद फिर से कायम करने के लिए पर्दे के पीछे वार्ताएं संभव बनााने की कोशिश कर रहा है।

# मौत के कगार पर पहुंचे पुतिन के विरोधी नवलनी ! जेल से अस्पताल हस्तांतरित

**मॉस्को।**

रूस में विपक्ष के नेता b रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घोर विरोधी एलेक्सी नवालनी को जेल से एक स्थानीय अस्पताल में हस्तांतरित किया गया है। रूस की संघीय जेल सेवा ने इसकी घोषणा की। दो दिन पहले ही नवलनी के डॉक्टर ने दावा किया था कि उनका स्वास्थ्य तेजी से गिर रहा है और शायद वे मौत के कगार तक पहुंच गए हैं। संघीय जेल सेवा ने एक बयान में बताया कि एक मेडिकल आयोग ने एलेक्सी नवालनी को जेल से व्लादिमीर क्षेत्र स्थित कैदियों के लिए बने क्षेत्रीय अस्पताल में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया। इस अस्पताल में नवालनी जैसी बीमारी से पीड़ति व्यक्तियों विशेष उपचार किया जाता है। नवालनी की हालत संतोषजनक है, उनका एक सामान्य चिकित्सक नियमित तौर पर जांच करता था। नवालनी को विटामिन थेरेपी की सलाह दी गयी है। रूसी सरकारी जेल सेवा ने एक बयान में कहा कि नवलनी को मास्को से करीब 180 किलोमीटर दूर पूर्व में व्लादिमीर की दंडसंबंधी कॉलोनी में दोषियों के लिये बनाए गए एक अस्पताल में ले जाया गया है। नवलनी को पैसे के हेरफेर के मामले में रूसी कोर्ट ने जेल की सजा सुनाई है। सरकारी जेल सेवा ने बताया है कि नवलनी का स्वास्थ्य स्थिर है और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। शनिवार को नवलनी के डॉक्टर यरोस्लाव अशिखमिन ने कहा था कि उनके परिवार ने जो स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट दिखायी है, उससे लगता है कि उनकी हृदयगति रुक सकती है। दरअसल नवलनी को पीठ दर्द और पैरों के सुन्न हो जाने का अहसास हुआ और उनसे उनके डॉक्टरों को मिलने नहीं दिया गया, तब उन्होंने भूख हड़ताल शुरू कर दी थी।

# PM मोदी के बांग्लादेश दौरे में हिंसा भड़काने वाला मास्टरमाइंड इस्लामिक धर्मगुरु गिरफ्तार

**ढाका।**

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे दौरान हिंसा भड़काने के आरोपी इस्लामी समूह से जुड़े एक कट्टरपंथी धर्मगुरु को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया । पुलिस और जासूसों की संयुक्त टीम ने मोहम्मदपुर स्थित एक इस्लामी मदरसे पर छापा मारकर 'हिफाजत ए इस्लाम' नामक संगठन के संयुक्त महासचिव मामुनुल हक (47) को गिरफ्तार कर लिया । मामुनुल हक हाल में कुछ विवादों को लेकर सुर्खियों में रहा था। इससे पहले हक तब सुर्खियों में आया था जब उसने प्रतिमाओं के संबंध में विवादास्पद टिप्पणियां की थीं। वह विगत में सरकार को धमकी देने का भी आरोपी रहा है। ढाका पुलिस के के अनुसार हक को अपराह्न करीब साढ़े बारह बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिसअधिकारियों ने बताया कि मदरसे के स्टूडेंट्स और टीचर्स ने प्रदर्शन कर छापेमारी को रोकने की कोशिश की लेकिन हक को मदरसे की पहली मंजिल के एक कमरे से गिरफ्तार कर लिया गया । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश यात्रा के दौरान हिफाजत ए इस्लाम के सदस्यों ने प्रदर्शन किया था और सरकारी इमारतों पर हमले किए थे। इस इस्लामी समूह के लोग सुरक्षाबलों से भिड़ गए थे। हिंसक प्रदर्शनों के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी मारे गए थे और दर्जनों लोग घायल हुए थे। ढाका महानगर पुलिस के डिप्टी कमिश्नर हारून उर राशिद ने कहा कि हक और उसके संगठन के अन्य नेता कानून प्रवर्तन अधिकारियों तथा थानों पर हमलों एवं तोड़फोड़ सहित अनेक मामलों में आरोपी हैं। इन मामलों की जांच की जा रही है।

## संक्षिप्त समाचार

## पाकिस्तानः सरकार से पहले दौर की वार्ता सफल, TLP ने बंधक बनाए गए 11 पुलिसकर्मी छोड़े

**इस्लामाबादः** पाकिस्तान के एक गैरकानूनी इस्लामवादी राजनीतिक समूह ने लाहौर में सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़प के बीच रविवार को बंधक बनाए गए 11 पुलिसकर्मियों को सोमवार को मुक्त कर दिया है। गृहमंत्री शेख रशीद अहमद ने उक्त जानकारी दी। कट्टरपंथी तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान पार्टी (TLP) के समर्थकों ने रविवार को एक थाने पर हमला कर पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया था। समूह अपने नेता साद रिजवी की गिरफ्तारी का विरोध कर रहा है और प्रधानमंत्री इमरान खान पर रिजवी को तुरंत रिहा करने का दबाव बना रहा है। शुरुआत में पुलिस ने बताया था कि प्रदर्शन कर रहे समूह ने पांच पुलिसकर्मियों को बंधक बनाया है। बाद में एक वीडियो संदेश में गृहमंत्री अहमद ने कहा कि रिजवी के समर्थकों ने 11 पुलिसकर्मियों को बंधक बनाया है। उन्होंने बताया कि सरकार के साथ पहले दौर की वार्ता सफल होने के बाद पुलिसकर्मियों को छोड़ा गया है। मंत्रालय ने एक तस्वीर जारी की है जिसमें दिख रहा है कि पुलिसकर्मियों को प्रताड़ित किया गया है।

## पाकिस्तान से फ्रांस ने 15 राजनयिकों को बुलाया वापस

**लाहौर।** फ्रांस ने पाकिस्तान से अपने 15 राजनयिकों को वापस बुला लिया है। पैगंबर मोहम्मद के कार्टून प्रकाशन को लेकर हुई हिंसा के बाद यूरोपीय देश ने यह फैसला लिया है। पाकिस्तान में बीते कई दिनों से हिंसक झड़पें जारी हैं, जिनमें एक प्रतिबंधित संगठन भी शामिल है। इन लोगों की मांग है कि फ्रांस के राजनियकों को पाकिस्तान से बाहर किया जाना चाहिए। इन मांगों और हिंसा के बीच फ्रांस ने अपने राजनयिकों को इस्लामिक देश से वापस बुला लिया है। पाकिस्तान ने इस हिंसा में शामिल संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान पर एंटी टेररिज्म एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए बैन लगा दिया है। तहरीक-ए-लब्बैक की हिंसा में दो पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई है। लगातार तीन दिनों तक हिंसक प्रदर्शन किए जाने के बाद पाकिस्तान सरकार ने इस संगठन पर बैन लगा दिया है। पाकिस्तान में हिंसा के चलते अब तक 15 राजनयिक देश छोड़ चुके हैं या फिर निकलने की तैयारी में हैं। फ्रांसीसी अखबार ले फिगारो की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। बीते सप्ताह फ्रांस ने अपने नागरिकों और कंपनियों को अस्थायी तौर पर पाकिस्तान छोड़ने की सलाह दी थी। पाकिस्तान में फ्रांस के विरोध में हिंसक प्रदर्शकों के बाद सरकार ने यह सलाह दी थी। फ्रांसीसी दूतावास की ओर से अपने देश के नागरिकों को ईमेल पर सलाह दी गई थी। दूतावास ने लिखा था, पाकिस्तान में फ्रांसीसी हितों के सामने गंभीर खतरा है। ऐसी स्थिति में हमारी सलाह है कि फ्रांस के नागरिक और कंपनियां अस्थायी तौर पर देश से निकल जाए। एयरलाइंस के जरिए फ्रांस के नागरिक पाकिस्तान से जा रहे हैं। अब फ्रांस की ओर से राजनयिकों को वापस बुलाए जाने से साफ है कि यूरोपीय देश और पाकिस्तान के बीच संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। फ्रांस की इमैनुएल मैक्रों की सरकार की ओर से व्यंग्य पत्रिका शार्ली हेब्दो में प्रकाशित पैगंबर के कार्टूनों का बचाव किया गया था। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच संबंधों में दरार देखने को मिल रही है।

## यूरोप में बढ़ रही जंग की आहट

**मास्को ।** दुनियाभर में कोरोना वायरस के कहर के बीच महाशक्ति रूस अब सुपर पावर अमेरिका और कई अन्य यूरोपीय देशों के निशाने पर आ गया है। रूस ने जहां यूक्रेन की सीमा पर हजारों की तादाद में सैनिक और विनाशक हथियार तैनात किए हैं, वहीं अब उसका चेक गणराज्य के साथ भी विवाद बढ़ता जा रहा है। चेक गणराज्य ने शनिवार को घोषणा की कि वह विस्फोट के मामले में 18 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर रहा है। चेक गणराज्य ने कहा कि गोला-बारूद के एक डिपो में 2014 में हुए विस्फोट के जुड़े मामले में उन 18 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर रहा है जिनकी पहचान जासूस के तौर पर की गई है। चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस ने कहा कि चेक गणराज्य की खुफिया एवं सुरक्षा सेवाओं ने सबूत मुहैया कराए हैं, जो एक पूर्वी कस्बे में हुए उस बड़े विस्फोट में रूसी सेना के एजेंटों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं, जिसमें 'दो निर्दोष पिता' मारे गए थे। बाबिस ने कहा, 'चेक गणराज्य एक सम्प्रभु देश है और उसे इस प्रकार के अप्रत्याशित नतीजों का उचित जवाब देना ही चाहिए।' देश के गृह एवं विदेश मंत्री जान हामासेक ने कहा कि रूसी दूतावास के 18 कर्मियों की पहचान रूसी जासूसों के तौर पर स्पष्ट रूप से हुई हैं और उन्हें 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। वर्बेटिका में 16 अक्टूबर, 2014 को एक डिपो में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी। डिपो में 50 टन गोला-बारूद रखा था।

## हिंद महासागर में ताकतवर हुआ चीन

**बीजिंग।**

दुनिया को अपने काबू में करने के मंसूबे पाला चीन लगातार समुद्री क्षेत्रों में अपने पैर पसार रहा है। नौसेना के मामले में चीन अमेरिका से कई आगे निकल गया है। साथ ही वह अब भारत के पड़ोसी देश म्यांमार, श्रीलंका और पाकिस्तान को कंट्रोल करने लगा है। इसके अलावा उसकी नजर पूर्वी अफ्रीकी देश जिबूती के बाद पश्चिमी अफ्रीकी देश सेनेगल पर है। यहां वो सेनेगल नौसेना के लिए एक बंदरगाह बनाने पर विचार कर रहा है। एक कम्युनिस्ट राष्ट्र के रूप में चीन ताकतवर देश है। वह सुरक्षात्मक, कूटनीतिक और आर्थिक मामलों में दुनियाभर के देशों से अलग ही क्षमता रखता है। पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाने और देश से दूर नौसेना के ठिकानों के अवसर तलाशने के प्रयासों में भी चीन की विस्तारवादी सोच नजर आती है। खासकर हिंद महासागर को लेकर इस देश की चर्चा अधिक होती है। यहां वो म्यांमार, श्रीलंका और पाकिस्तान के व्यापारिक बंदरगाहों में निवेश करता है और उन्हें अपने सैन्य हित के लिए भी इस्तेमाल करने से पीछे नहीं रहता। चीन कई तरह से अपने विस्तारवादी नीति को बढ़ा रहा है।

# इसराईल ने कोरोना पर किया कंट्रोल, एक साल बाद लोगों को मास्क से मिली निजात

**इंटरनेशनल डेस्क:**

दुनिया के कई देश जहां कोरोना वायरस के नए वेरियंट के कहर से बेहाल हैं वहीं इसराईल ने एक साल बाद घर से बाहर निकलने पर मास्क पहनने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। इसराईल ने अपनी 80 फीसदी जनता को वैक सीन लगाने में सफलता के बाद यह कदम उठाया है। इसराईल ने रविवार को मास्क लगाने की अनिवार्यता को खत्म करने का ऐलान किया करते हुए कहा कि इसे इसराईल की कोरोना के खिलाफ जंग में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। कोरोना वैक्सीन लगाने के बाद इसराईल में हालात बहुत बदल गए हैं। जनवरी के मध्य में जहां यहां हर दिन 10 हजार नए मामले सामने आ रहे थे वहीं अब प्रतिदिन 200 केस ही सामने आ रहे हैं। इसराईल ने कई प्रतिबंधों में काफी ढील दी है लेकिन इसके बाद भी लोगों में संक्रमण की दर बहुत कम बनी हुई है। हालांकि दुनिया के अन्य देशों से आ रहे लोगों के लिए कड़े प्रतिबंध अभी भी जारी हैं। इसराईल के स्वास्थ्य मंत्री यूली इडेलस्टेइन ने कहा कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दर वैक सीन लगाए जाने के बाद बहुत कम हो गई है इसलिए अब प्रतिबंधों में ढील देना संभव हुआ है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी ऑफिसों के अंदर मास्क पहनना अनिवार्य होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 93 लाख की आबादी में इसराईल ने अब तक 50 लाख लोगों को कोरोना वैक सीन लगा दी है।

वैक्सीन लगाने की वजह से संक्रमण के कारण मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराए जाने और मौतों का आंकड़ा बहुत कम हो गया है। बता दें कि देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फाइजर से मेडिकल डेटा शेयर करने की शर्त पर बड़े पैमाने पर कोरोना वैक्सीन हासिल की थी। इसराईल अब वैक्सीन के प्रभाव का डेटा फाइजर के साथ साझा कर रहा है।

# UK-EU ने हांगकांग में जिमी लाइ सहित लोकतंत्र समर्थकों को जेल भेजने के फैसले का किया विरोध

**लंदन।**

यूनाइटेड किंगडम (UK) और यूरोपियन यूनियन (EU) ने हांगकांग में 2019 के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों में अपनी भूमिका के लिए टाइकून जिमी लाइ सहित कई लोकतंत्र समर्थकों को जेल भेजने के फैसले की निंदा की है। ब्रिटेन के विदेश सचिव डोमिनिक राब ने इस फैसले के विरोध में शुक्रवार को एक ट्वीट में लिखा कि हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों को निशाना बना रहे चीन को रोकना होगा। रैब ने एक ट्वीट में लिखा है, हांगकांग को लोकतंत्र समर्थकों को निशाना बनाने के फैसले को रोकना चाहिए। उन्होंने लिखा कि हम स्वतंत्रता की इस लड़ाई में में हांगकांग के लोगों के साथ मिलकर खड़े रहेंगे। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार हांगकांग के लोगों का मौलिक अधिकार है और इसे बरकरार रखा जाना चाहिए। उधर, यूरोपीय संघ ने कहा कि हांगकांग के हालिया घटनाक्रमों से चीन की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, विश्वास को कम करने और यूरोपीय संघ-चीन संबंधों को प्रभावित करने की इच्छाशक्ति पर सवाल उठता है। यूरोपीय संघ के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, अहिंसक कृत्यों के लिए कुछ व्यक्तियों की लम्बी कैद सुरक्षित नागरिक अधिकारों का हनन, लोकतांत्रिक ह्रास और मौलिक स्वतंत्रता के क्षरण का एक और संकेत है। बता दें कि हांगकांग की एक अदालत ने विरोध प्रदर्शनों में शांतिपूर्ण भागीदारी के लिए दो अलग-अलग मामलों में शुक्रवार को हांगकांग में 10 प्रमुख लोकतंत्र समर्थक लोगों को सजा सुनाई । सजा पाने वालों में मार्टिन ली, अल्बर्ट हो, मीडिया टॉयकून जिमी लाई, मार्गरेट एन, सीड हो, ली चेउक-यान, लेउंग क्वोक-हंग, औ नोक-हिन, लेउंग यियू-चुंग और येइम सुम के नाम शामिल हैं। लोकतंत्र समर्थक पांच लोगों को शुक्रवार को जेल भेज दिया जिसमें मीडिया उद्यमी जिमी लाइ भी शामिल हैं। इन लोगों को 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान एक रैली का आयोजन करने के लिए 18 महीने कैद की सजा दी गई है। इन विरोध-प्रदर्शनों के बाद बीजिंग ने लोकतंत्र समर्थकों पर कड़ी कार्रवाई शुरू की थी। कुल 9 लोकतंत्र समर्थकों को जेल की सजा सुनाई गई लेकिन उनमें से 82 वर्षीय वकील और पूर्व सांसद मार्टिन ली सहित चार लोगों की सजा उनकी उम्र एवं उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए निलंबित रखी गई।

## म्यांमार में जापानी पत्रकार गिरफ्तार, टोक्यो ने जताया विरोध

**टोक्योः** म्यांमार के सबसे बड़े शहर यांगून में एक जापानी पत्रकार को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद सोमवार को जापान सरकार ने म्यांमार से उसके नागरिक को रिहा करने की मांग की। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव कात्सुनोबु कातो ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि उनकी सरकार ने म्यांमा के प्राधिकारियों से पूछा है कि जापानी पत्रकार को गिरफ्तार क्यों किया गया ? जापान ने इस संबंध में म्यांमा से और भी जानकारियां मांगी हैं और जापानी पत्रकार को जल्द से जल्द रिहा किए जाने की मांग की है। उन्होंने गिरफ्तार किए गए पत्रकार की पहचान उजागर नहीं की, लेकिन जापानी मीडिया ने उसकी पहचान 'निक्केई समाचार पत्र के पूर्व संवाददाता और इस समय यांगून में स्वतंत्र रूप से काम कर रहे पत्रकार युकी कीताजुमी के रूप में की है। कातो ने कहा, ''हम म्यांमा में जापानी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कोशिश करते हुए उस देश से पत्रकार की शीघ्र रिहाई की मांग करना जारी रखेंगे। कीताजुमी को म्यांमा में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों को कवर करते समय फरवरी के अंत में भी कुछ देर के लिए हिरासत में लिया गया था। जापान ने म्यांमा में सैन्य तख्तापलट की आलोचना की है, लेकिन उसने म्यांमा की सेना के सदस्यों के खिलाफ प्रतिबंध लागू करने वाले अमेरिका एवं कुछ अन्य देशों की अपेक्षा नरम रुख अपनाया है।

# पाकिस्तान में प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी पर पुलिस कार्रवाई में 3 की मौत

**पेशावर:**

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा रविवार को प्रतिबंधित इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (TLP) पर की गई कार्रवाई में संगठन के तीन कार्यकर्ता मारे गए और कई अन्य जख्मी हो गए। फ्रांस में पिछले वर्ष ईश निंदा वाले एक कैरीकेचर के प्रकाशन को लेकर वहां के राजदूत को निष्कासित करने की मांग को लेकर इस संगठन ने हिंसक प्रदर्शन किए। रेंजर्स और पुलिस ने रविवार की सुबह लाहौर में TLP के मुख्यालय पर कार्रवाई शुरू की ताकि वहां इकट्ठे हजारों कार्यकर्ताओं को हटाया जा सके। इन लोगों ने मुख्य मुल्तान रोड को जाम कर दिया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान टीएलपी के तीन कार्यकर्ता मारे गए और कई अन्य जख्मी हो गए। जख्मी होने वालों में पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी सहित कई पुलिसकर्मी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''टीएलपी के समर्थकों की संख्या हजारों में थी इसलिए रेंजर्स और पुलिस उन्हें तीन घंटे के अभियान में नहीं हटा पाई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने और अधिक जान जाने की आशंका के कारण अभियान समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उमर फारूक बलोच को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की। टीएलपी की तरफ से जारी वीडियो संदेश में बलोच ने इमरान खान सरकार से अपील की कि साथी मुस्लिमों की हत्या नहीं करें और फ्रांस के राजदूत को निष्कासित करने के लिए उनकी सरकार द्वारा टीएलपी के साथ किए गए समझौते का पालन करें। पुलिस अभी तक टीएलपी के कब्जे से बलोच को नहीं छुड़ा पाई है और वार्ता जारी है। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता राणा आरिफ ने भी कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अभियान में तीन लोगों की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कई पुलिस अधिकारियों के साथ टीएलपी कार्यकर्ताओं ने ''बुरी तरह मारपीट''की।

# आखिर चीन में कोरोना की दूसरी लहर क्यों नहीं आयी?

**बीजिंग।**

फिलहाल भारत, नेपाल, बंगलादेश, जर्मनी, अर्जेंटीना, मंगोलिया समेत कई देशों में कोरोना महामारी की दूसरी लहर चरम पर है। भारतीय स्वास्थय मंत्रालय ने 19 अप्रैल की सुबह जानकारी दी कि पिछले 24 घंटे में देश भर में 2,73,810 कोरोना के नये मामले दर्ज हुए, जो लगातार तीसरे दिन तक दैनिक नये मामलों की संख्या 25 लाख के पार है।

रविवार को बंगलादेश में कोरोना महामारी से मरने वालों की नयी संख्या 102 हुई, जो अब तक सर्वाधिक है। लेकिन विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले देश चीन में कोरोना के नियंत्रण की स्थिति बहुत अच्छी बनी हुई है, जो विश्व भर में अग्रसर है। चीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार की सुबह जानकारी दी कि अब मुख्य भूमि में सिर्फ 315 सक्रिय मामले बने हुए हैं, जिनमें 241 मामले बाहर से आये हैं।

स्थानीय विश्लेषकों के विचार में चीन की सफलता के पीछे चार मुख्य कारण हैं।पहला, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के मजबूत नेतृत्व में पिछले अप्रैल में कोरोना के मुकाबले में निर्णायक सफलता पाने के बाद चीन की विभिन्न स्तर की सरकारों ने कोरोना की सामान्य रोकथाम और नियंत्रण में कोई कसर नहीं छोड़ी और संपूर्ण कार्य तंत्र स्थापित किया है। आर्थिक गतिविधि और सामाजिक जीवन की चरणबद्ध बहाली के साथ सरकार महामारी की रोकथाम के एहतियाती कदमों पर कड़ी नजर बनाए हुए है, जैसे कोल्ड चेन यातायात, दुकान, चिकित्सा सेवा इत्यादि संवेदनशील व्यवसायों में कार्यरत लोगों के प्रति नियमित रूप से कोरोना जांच की जाती है और सार्वजनिक स्थलों पर शारीरिक तापमान जांच व क्यूआर कोड की पुष्टि की जाती है और मास्क पहनना अनिवार्य है। उल्लेखनीय बात है कि चीन की मुख्य भूमि के बाहर से आने वाले लोगों के प्रति एक बंद दायरे वाली प्रबंधन व्यवस्था लागू करता है और सख्त क्वारंटीन कदम अपनाता है,जिससे चीन ने बाहर से आने वाले कोविड-19 खतरे को निम्न स्तर पर घटाया है।दूसरा, चीन में कुछेक स्थानों में उभरी महामारी के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र लागू किया जाता है और महामारी को सबसे छोटे दायरे में सीमित करने की पूरी कोशिश की जाती है। पिछले साल 8 अप्रैल को चीन के वुहान शहर में लॉकडान हटाया गया, जिसका प्रतीक है कि चीन ने कोरोना के साथ लड़ाई में रणनीतिक विजय पायी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दृष्टिबाधित बच्चे की जिंदगी महज चंद सेकंड पहले बचा ली

# चंद सेकेंड पहले बच्चे को मौत से बचा लाया रेलवे कर्मी

**मुंबई ।** रेलवे के एक पॉइंटमैन ने दृष्टिबाधित बच्चे की जिंदगी महज चंद सेकंड पहले बचा ली। सेंट्रल रेलवे के मुंबई डिविजन के वांगणी स्टेशन पर दृष्टिबाधित बच्चा प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर चल रहा था। इसी दौरान उसने अपना बैलेंस खोया और ट्रैक पर जा गिरा। इसी दौरान एक सुपरफास्ट ट्रेन भी ट्रैक पर आने वाली थी, लेकिन ऐन वक्त पर पॉइंटमैन मयूर शेलके ने जांबाजी दिखाते हुए बच्चे को बचा लिया। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और मयूर शेलके की तारीफ की जा रही है। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भी ट्वीट कर मयूर शेलके की तारीफ की है। दरअसल दृष्टिबाधित बच्चा अपनी मां के साथ प्लेटफॉर्म नंबर दो पर चल रहा था। उसकी मां भी दृष्टिबाधित है। अचानक ही चलते हुए बच्चे ने अपना बैलेंस खो दिया और ट्रैक पर जा गिरा। इसी दौरान सुपरफास्ट ट्रेन का होर्न भी सुनाई दे रहा था। लेकिन मयूर शिलके ने इस बीच जांबाजी दिखाई और ऐन वक्त पर बच्चे की जान बचा ली। उनकी इस कर्तव्यपरायणता की जमकर तारीफ की जा रही है। वांगणी रेलवे स्टेशन पर तैनात एक अधिकारी ने घटना के बारे में बताया, जब बच्चा गिरा तो उसी समय हमने तेजी से आ रही ट्रेन के होर्न की आवाज सुनी। हम लोग उस जगह से काफी दूर थे। बच्चे की मां भी यह नहीं जान पा रही थी कि बेटा कहां गया, जबकि ट्रेन तेजी से बच्चे की ओर आ रही थी। अधिकारी ने बताया कि इसी बीच मयूर शिल्के सेंकेडों के भीतर बच्चे तक पहुंचे और उसे 3 सेकेंड के अंदर ट्रैक से उठा लाए। उन्होंने तेजी से बच्चे को उठाकर प्लेटफॉर्म पर रखा और खुद भी फुर्ती के साथ चढ़े। इस तरह उन्होंने तेजी से दौड़ती आ रही ट्रेन रूपी मौत से बच्चो को बचा लिया। मयूर शिलके और ट्रेन के बीच महज 2 सेकेंड का ही अंतर था। इससे समझा जा सकता है कि कितने कम समय में उन्होंने तेजी से पूरे काम को अंजाम दिया था। रेलवे अधिकारी ने कहा कि यदि मयूर शिलके ने तेजी से बढ़कर न बचाया होता तो बच्चे की कटकर मौत हो जाती। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। सोमवार सुबह पॉइंटमैन मयूर शिलके की तारीफ करते हुए रेल मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया है। रेल मंत्री ने लिखा है, %मुंबई के वंगानी रेलवे स्टेशन के कर्मचारी मयूर शिलके पर बहुत गर्व है। उन्होंने बेहद साहसिक काम किया है। अपनी जान को खतरे में डालते हुए शिलके ने एक बच्चे को बचाया है।

## अक्टूबर और मार्च में बार-बार आ सकती है कोरोना की नई लहर

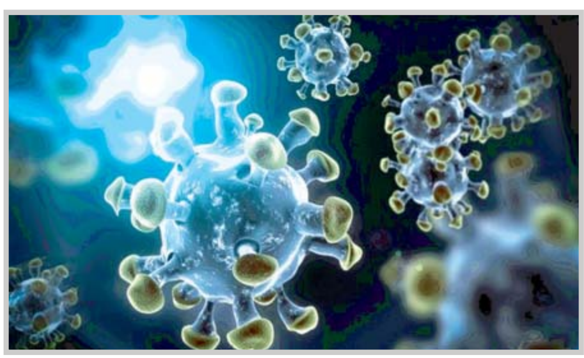

**नई दिल्ली ।** कोरोना महामारी से जूझ रहे देश के हर नागरिक के समक्ष इस समय एक ही सवाल है कि यह दूसरी लहर कब खत्म होगी, कब राहत मिलेगी। लेकिन वैज्ञानिक शोध इस तरफ संकेत कर रहे हैं कि दूसरी लहर पहले से ज्यादा लंबी हो सकती है। सामान्य फ्लू की तरह ही हर फ्लू सीजन में कोरोना की नई लहर का सामना करना पड़ सकता है। साइंस डायरेक्ट जर्नल में प्रकाशित एक शोध में यह दावा किया है। यह शोध पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज चंडीगढ़ एवं पंजाब यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया है। इसमें 1857 से लेकर 2015 के बीच फैली फ्लू जैसी बीमारियों के आंकड़ों और रुझान को आधार बनाया गया है। शोध में कहा कि धरती के उत्तरी गोलार्ध में जिस प्रकार सीजन शुरू होने पर फ्लू की बीमारी तेजी से फैलती है वैसे ही कोरोना भी फैल सकता है और सीजन खत्म होने पर कमजोर पड़ जाएगा। लेकिन ऐसा बार-बार होगा। अगले सीजन में फिर इसकी पुनरावृत्ति होती है। फ्लू का यह दौर अक्तूबर से शुरू होता है और मई तक जारी रहता है। इस बीच में आमतौर पर फ्लू के दो सीजन होते हैं। 1 अक्तूबर में मौसम बदलने के साथ शुरू होता है और दूसरा ऐसी ही स्थितियों में फरवरी के आखिर या मार्च के आरंभ में शुरू होता है। इन महीनों के दौरान कोरोना की नई लहर उत्पन्न होगी और जो सीजन के अंत तक खत्म होगी। मसलन, अक्तूबर में शुरू होने वाली लहर दिसंबर-जनवरी तक कमजोर पड़ जाती है। फरवरी-मार्च में शुरू होने वाली लहर मई में खत्म होती है। शोध में कहा कि फ्लू की पहली लहर की अवधि छोटी पाई गई है। लेकिन इसके बाद की लहरें अपेक्षाकृत ज्यादा लंबी हो सकती हैं। हालांकि कोई समयावधि इस बारे में नहीं बताई गई है। रिपोर्ट में वर्ष 1857, 1889,1918, 1968, 1977 तथा 2209 की फ्लू या फ्लू जैसी महामारियों का जिक्र किया है।

## आप पार्टी का भाजपा पर निशाना, हमारा नारा होना चाहिए देशवासियों को नहीं मरने देंगे

**नई दिल्ली ।** आम आदमी पार्टी ने कोरोना के कहर के बीच चुनावी रैलियों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। आप के वरिष्ठ नेता और विधायक राघव चड्ढा ने कहा कि भाजपा बंगाल चुनाव जीतने के लिए 'ना दूरी ना दवाई, बस वोट के लिए ढिलाई ही ढिलाई' नारे की तर्ज पर प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना के कहर के बीच भी भाजपा नेता पश्चिम बंगाल और असम में बड़ी सार्वजनिक सभाओं को संबोधित कर रहे हैं और रैलियों का आयोजन कर रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि इसको तुरंत बंद किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री का नारा है कि देश नहीं झुकने देंगे, जबकि हमारा नारा होना चाहिए देशवासियों को नहीं मरने देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा जवाब दे कि अगर 2-4 चुनाव जीत भी लिए तो उससे क्या फर्क पड़ जाएगा? पार्टियां आएंगी जाएंगी लेकिन महामारी से लोग मर जाएंगे तो वापस नहीं आएंगे। इधर, चड्ढा को जवाब देते हुए बीजेपी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली को कोरोना से बचाने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। चड्ढा ने कहा कि भाजपा के लिए क्या महत्वपूर्ण है चुनाव प्रबंधन और कोरोना प्रबंधन? भारत के लोग इस बात से चिंतित हैं कि केंद्र सरकार किस तरह से कोरोना का प्रबंधन कर रही है। उसी समय भाजपा बंगाल चुनाव में वोट कैसे हासिल किए जाएं, इसको लेकर चितिंत है। पिछले 10 दिनों में जिस गति से कोरोना संक्रमण-मौत का आंकड़ा बढ़ा है, उससे ज्यादा रफ्तार से बंगाल में भाजपा की रैलियों की रफ्तार बढ़ती गई है।

## इस बार बुजुर्गों को नहीं युवाओं पर भारी पड़ रहा कोरोना

**नई दिल्ली ।** देश में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़तोरी के साथ-साथ इसके लक्षण में बदलाव के भी संकेत मिले हैं। इस बार का कोरोना बुजुर्गों से ज्यादा युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। इस बार कुछ ऐसे भी मरीज सामने आए हैं जिसको बुखार और सर्दी जुकाम नहीं लेकिन वो कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। जेनेस्ट्रिंग्स डायग्नोस्टिक सेंटर की फाउंडर निदेशक डॉ गौरी अग्रवाल ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा है कि बजुर्गों की तुलना में युवा ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार के लक्षण अलग हैं। कई लोगों को मुंह सूखने की शिकायत, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, मितली, उल्टी, आंखे लाल होना और सिरदर्द की शिकायत मिली है। गौरी ने कहा कि इस बार सभी मरीज को बुखार होने की शिकायत नहीं है। गौरी ने कहा कि फिलहाल कोरोना वायरस के लिए टेस्टिंग बढ़ गई है, घर से सैंपल लेने के लिए बहुत कॉल आ रही है जिसें संभालना मुश्किल हो गया है। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर और मशीनों की कोई समस्या नहीं, दिक्कत 24 घंटे के भीतर आईसीएमआर एंट्री करने को लेकर हैं। बता दें कि हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी कहा था कि राज्य में 65 प्रतिशत नए मरीज 45 साल के कम आयु के हैं।

# कोरोना पीड़ित बेटी ने लगाई यह गुहार, पापा प्लीज, मुझे आकर यहां से ले जाओ

**नई दिल्ली ।** पापा प्लीज, मुझे आकर यहां से ले जाओ। कोरोना से बाद में, लेकिन यहां की अव्यवस्था से पहले ही मर जाऊंगी। दो घंटे हो गए कोई देखने तक नहीं आया है। वॉशरूम में पानी तक नहीं है पापा। प्लीज, मुझे यहां से ले जाओ यह गुहार 20 वर्षीया छात्रा ने अपने पापा से एक निजी अस्पताल में भर्ती होने के चार घंटे में लगा रही थी। जिस अस्पताल ने दोपहर के दो बजे उनकी बेटी को पहले 50 हजार रुपये जमा करा इमरजेंसी में भर्ती कराया, वहां का हाल यह कि दो घंटे तक उसको देखने कोई डॉक्टर, नर्स या कर्मी तक नहीं आया। इस भयावह समय में भी अस्पताल अपना खेल खेलने से बाज नहीं आ रहे हैं। लोग व्यवस्था की संवेदनहीनता से भी हर दिन जूझ रहे हैं। बदहाल व्यवस्था और बेबसी के बीच ऐसा ही एक परिवार रविवार को जूझता रहा। मिठनपुरा इलाके के इस परिवार ने बताया कि चार दिन पहले बेटी का टेस्ट कराया तो रिपोर्ट निगेटिव आयी। रविवार को ऑक्सीजन लेबल घटने लगा तो हम घबरा गए। पहले बैरिया स्थित एक अस्पताल ले गए। वहां कहा गया कि कोरोना का इलाज यहां नहीं होता। इसके बाद मेडकिल कॉलेज से आगे एक प्राइवेट अस्पताल में गए। वहां कहां गया कि पहले 50 हजार रुपये जमा करें तभी भर्ती करेंगे। पैसे हमने जमा कर दिया तो कहा कि आपलोग जाइए। दो घंटे बाद बेटी ने फोन किया कि अब तक मुझे बैठाकर रखा है। कोई देखने तक नहीं आया। इसके बाद हम पहुंचे हंगामा किया तो फिर डॉक्टर को बुलाया गया। छात्रा ने बताया कि जहां मुझे भर्ती किया गया, वहां सात आठ पुरुष और दो महिलाएं थीं। सबके लिए एक ही वाशरूम। साबुन तक नहीं। अगर मैं वहां रहती तो दो दिन की बजाए एक दिन में ही मर जाती। उसके पिता ने कहा कि हम दोबारा गए और शाम छह बजे बेटी को घर ले आए हैं। एक तरफ इस वायरस की मार और उससे भी अधिक संवेदनहीनता और अव्यवस्था की मार। कहां जाएं हमलोगा।

## राहुल गांधी के बाद चुनाव प्रचार पर ममता बनर्जी का बड़ा ऐलान, नहीं करेंगी चुनाव प्रचार

**नई दिल्ली।** देश में दिनोंदिन रिकॉर्ड तोड़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच जारी पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। अब राहुल गांधी के बाद टीएमसी प्रमुख और बंगाल सीएम ममद बनर्जी ने भी ऐलान किया है कि वह बाकी चरणों के लिए चुनाव प्रचार नहीं करेंगी। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है कि ममता बनर्जी अब कोलकाता में चुनाव प्रचार नहीं करेंगी। डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, 'बंगाल चुनाव को लेकर सीएम ममता बनर्जी अब कोलकाता में प्रचार नहीं करेंगी। वह प्रतीकात्मक तौर पर शहर में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सिर्फ एक बैठक करेंगी। बाकी सभी जिलों में भी उन्होंने चुनावी रैलियों का समय घटा दिया है। अब वही सिर्फ 30 मिनट की रैली करेंगी। बता दें कि सीएम ममता बनर्जी ने इससे पहले यह मांग की थी कि बंगाल के बाकी चरणों के चुनाव एक साथ कराए जाएं। ममता बनर्जी से पहले कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद राहुल गांधी ने भी ऐलान किया था कि वह कोरोना संक्रमण की वजह से बंगाल में अपनी सभी आगामी चुनावी रैलियों को रद्द कर रहे हैं। राहुल ने बंगाल में सिर्फ दो ही रैलियां की थीं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया था, 'कोविड संकट को देखते हुए, मैंने पश्चिम बंगाल की अपनी सभी रैलियां रद्द करने का निर्णय लिया है। राजनैतिक दलों को सोचना चाहिए कि ऐसे समय में इन रैलियों से जनता व देश को कितना खतरा है।

## मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोग ले रहे निर्दोषों की जान : सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मादक पदार्थों का काम करने वाले लोग बेगुनाह कमजोर लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार होते हैं और यदि कोई आरोपी गरीब है तथा अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला है, महज इसलिए उसे कम सजा नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने स्वापक औषधि एवं मनप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) कानून के मामले में सजा सुनाते हुए कहा कि पूरे समाज के हित को ध्यान में रखना होगा। पीठ ने कहा, अपराध जगत की संगठित गतिविधियों और मादक पदार्थों की इस देश में तस्करी से जनता के एक वर्ग में, खासतौर पर किशोरों एवं छात्र-छात्राओं के एक वर्ग के बीच मादक पदार्थों की लत पैदा होती है तथा पिछले कुछ सालों में यह समस्या गंभीर और चिंताजनक हो गई है। गुरदेव सिंह नामक व्यक्ति की अपील पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह टिप्पणी की। सिंह ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती दी जिसमें एनडीपीएस कानून की धारा 21 के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोष सिद्धि को बरकरार रखा गया था। दोषी को 15 वर्ष की कैद तथा दो लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी।आरोपी के वकील ने दलील दी थी कि न्यूनतम 10 साल की कैद की सजा के मुकाबले 15 साल की सजा अधिक है और विशेष अदालत या उच्च न्यायालय ने इसके लिए कोई वजह नहीं बताई। उन्होंने कहा कि अपीलकर्ता ने पहली बार अपराध किया है और गरीब है तथा वह केवल मादक पदार्थ लेकर गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह बात दिमाग में रखनी चाहिए कि हत्या के मामले में आरोपी एक या दो लोगों की हत्या करता है, वहीं मादक पदार्थों का लेन-देन करने वाले लोग कई बेगुनाह और कमजोर लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार होते हैं और इससे समाज पर घातक असर पड़ता है। पीठ ने अपील को खारिज कर दिया।

# कोरोना संक्रमण की दर 12 दिन में दोगुनी

मृत्युदर गिरकर 1.20 फीसदी

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना वायरस की बेकाबू होती रफ्तार के चलते बीते 12 दिन में संक्रमण की दर दोगुनी हो गई है। छह अप्रैल को संक्रमण की दर आठ फीसदी थी, जो अब 16.69 फीसदी हो गई है। वहीं, एक महीने में साप्ताहिक संक्रमण दर 3.05 से बढ़कर 13.54 फीसदी तक जा पहुंची है। साथ ही 4 दिन में 9 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं, जो बाकी देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। बीते एक दिन में पहली बार 2,61,500 मामले पहली बार सामने आए और सबसे ज्यादा 1,501 लोगों की मौत भी हुई है। देश में लगातार दूसरे दिन मौतों के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए। कोरोना की पहली लहर में एक दिन में सर्वाधिक मौत का आंकड़ा 1190 था, जिसे बीते साल 16 सितंबर को दर्ज किया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीते दो महीनों में दौरान सक्रिय मामलों की संख्या में 12 गुना तक वृद्धि हुई है। कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,47,88,109 हो गई। महामारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 1,77,150 हो गई है। इसी के साथ सक्रिय मरीजों की संख्या 18,01,316 दर्ज की गई जो संक्रमण के कुल मामलों का करीब 12.14 फीसदी है। मंत्रालय के मुताबिक, संक्रमण की दर सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ में 30.38 फीसदी है। वहीं, यह दिल्ली में 13.91, चंडीगढ़ में 14.47, पुडुचेरी में 15.30, दादर नगर हवेली में 15.86, हरियाणा में 15.97, लद्दाख में 17.80, मध्यप्रदेश में 18.99, राजस्थान में 23.33, महाराष्ट्र में 24.17 और गोवा में 24.24 फीसदी दर्ज की गई है।

**- मृत्युदर गिरकर 1.20 फीसदी**

कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की दर घटकर 86.6 फीसदी पर आ चुकी है। कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की संख्या फिलहाल 1,28,09,643 है। हालांकि, मृत्युदर गिरकर 1.20 फीसदी हो गई है। दो हफ्ते पहले तक यह 1.30 थी। देश में कोरोना की जांच का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। देश में अब तक साढ़े 26 करोड़ से ज्यादा कोरोना जांच की जा चुकी है। बीते शनिवार को देश में पहली बार एक दिन में 15.66 लाख से भी ज्यादा सैंपल की जांच की गई जिनमें 16 फीसदी संक्रमित मिले।

**- यूपी समेत 4 राज्यों में 100-100 से ज्यादा मौतें**

देश के 4 राज्यों में सबसे ज्यादा मौतें सामने आ रही हैं। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में मौत का आंकड़ा इसलिए भी बढ़ रहा है क्योंकि अस्पतालों में चिकित्सीय प्रोटोकॉल का व्यवस्थित तौर पर पालन नहीं किया जा रहा है। अस्पतालों में मरीज सबसे ज्यादा गंभीर अवस्था में पहुंच रहे हैं। महाराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मौतें पिछले एक दिन में हुई हैं। यहां क्रमशः 419, 167,158 और 120 लोगों की मौत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

## झारखंड में रेमडेसिविर की किल्लत

**रांची।** झारखंड में कोरोना की एंटी वायरल दवा रेमडेसिविर की कमी के मद्देनजर राज्य सरकार ने केंद्र से इसे बाहर से मंगाने की इजाजत मांगी है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर ये जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि झारखंड में गंभीर रोगियों के लिए रिमडेसिविर की बढ़ती मांग को लेकर बंग्लादेश की एक दवा कंपनी से संपर्क किया है। हमें आपातकालीन उपयोग के लिए रेमडेसिवर की लगभग 50,000 शीशियों खरीदनी हैं। मैंने (केंद्रीय मंत्री) डीवी सदानंद गौड़ा जी को आयात करने की अनुमति के लिए पत्र लिखा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ गंभीर कोविड मरीजों पर रेमडेसिवर को प्रभावी पाया गया है। इस दवा की बढ़ती मांग के चलते कई राज्यों में इसकी पर्याप्त सप्लाई नहीं हो पा रही है। भारत पिछले कुछ दिनों से लगातार हर दिन कोविड के दो लाख से अधिक मामलों की रिपोर्ट सामने आ रही है। कई राज्य अस्पताल के बेड, चिकित्सा ऑक्सीजन और दवाओं खासकर रेमेडिसविर की कमी से जूझ रहे हैं। केंद्र ने रेमडेसिविर के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया। एक आदेश में, सरकार ने कहा था कि देश में महामारी की स्थिति स्थिर नहीं हो जाने तक इस दवा को कहीं एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा। हालांकि, हाल ही में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि एंटी वायरल दवा रेमडेसिविर की कमी को देखते हुए अगले 15 दिनों में इसका उत्पादन दोगुना कर दिया जाएगा। मांडविया ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो संदेश में कहा ड÷भारत सरकार देश में रेमेडिसविर इंजेक्शन के उत्पादन को बढ़ाने और कम कीमत पर उपलब्ध कराने के सभी प्रयास कर रही है। वर्तमान में, रेमेडिसवीर की प्रतिदिन 150,000 शीशियों का उत्पादन प्रति दिन किया जा रहा है और, अगले 15 दिनों में, उत्पादन को दोगुना करके 300,000 शीशियां प्रत्येक दिन किया जाएगा ।

## सेफ नहीं कोविड सेंटर, ग्वालियर में वार्ड ब्वाय ने की संक्रमित महिला से रेप की कोशिश

**ग्वालियर/नई दिल्ली।** देश और दुनिया कोरोना की दूसरी लहर के आगे घुटने टेकने की स्थिति में हैं। साथ ही संक्रमित लोगों को अस्पतालों में जगह और ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में संक्रमित महिलाओं के लिए मानो कोविड सेंटर भी सुरक्षित नहीं बचे हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश के ग्वालियर में ऐसी ही एक घटना ने लोगों को परेशान कर दिया। यहां कोविड सेंटर में बदले गए एक होटल में भर्ती एक 50 साल की महिला के साथ वार्ड ब्वाय ने रेप की कोशिश की। आरोपी के रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसा और रविवार को वार्ड ब्वाय विवेक लोधी ने दो बार रेप की कोशिश की। महिला ने बताया कि जब वार्ड में कोई नहीं था तो वार्ड ब्वाय आकर रेप को कोशिश करने लगा और महिला के परिजनों के आते ही भाग खड़ा हुआ। पीड़िता के बेटे ने कंपू पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई। एएसपी हितिका वसल ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता के परिवार ने उस अस्पताल पर भी लापरवाही का आरोप लगाया जिसके जरिए वे कोविड सेंटर में आए थे।

## सीबीआई ने 72 लाख की घूसखोरी में शामिल अफसर के मामले में 2 गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने खदान सुरक्षा महानिदेशालय में 72 लाख की घूसखोरी में शामिल डिप्टी डायरेक्टर जनरल अरविंद कुमार के मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। अरविंद पर आरोप है कि उसने अपने अभ्यर्थी के पक्ष में इंटरव्यू में ज्यादा अंक दिलाने के लिए बोर्ड के सदस्यों को प्रभावित किया। सीबीआई ने बिहार के लखीसराय में जाल बिछाया और त्रिलोकी नाथ सिंह और कैलाश मंडल को दबोचा। कैलाश को कुमार का रिश्तेदार बताया जा रहा है, जिसने कुमार के नाम पर घूसखोरी की पहली किस्त के रूप में 35 लाख रुपये लिए थे। सीबीआई ने लखीसराय, धनबाद, रांची, नागपुर, उदयपुर, शहडोल, हैदराबाद और बिलासपुर समेत 12 स्थानों पर छापे मारे गए है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास ने वीके सिंह को टैग किया और लिखा-श्रीमान केंद्र में मंत्री होते हुए भी अगर आप परिवार के लिए बेड की गुहार ट्विटर पर लगा रहे हैं तो कल्पना करें, आम आदमी की क्या स्थिति होगी। कृपया अधिक जानकारी डीएम के माध्यम से भेजें। हम गाजियाबाद या उसके समीप किसी अस्पताल में बेड का इंतजाम करने का प्रयास करते हैं।

## हाथरस दुष्कर्म केस: सोशल मीडिया परपीड़िता की गलत तस्वीर डालने वाले की सूचना के लिए कोर्ट में याचिका दायर

**नई दिल्ली ।** दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र और सोशल मीडिया मंच फेसबुक, गूगल और ट्विटर से एक याचिका पर जवाब तलब किया है जिसमें हाथरस दुष्कर्म पीड़िता का गलत फोटो अपलोड करने वालों का ब्यौरा मांगा गया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और सोशल मीडिया मंचों को नोटिस जारी किया और उस व्यक्ति के बारे में अदालत को सीलबंद लिफाफे में जानकारी देने के लिए कहा जिसने एक मृतक महिला की फोटो दुष्कर्म पीड़िता के तौर पर डाल दी। दिवंगत महिला के पति ने याचिका दायर कर कहा कि उनकी पत्नी का फोटो विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर गलत तरीके से जारी किया गया है जिसमें उन्हें उत्तर प्रदेश के हाथरस में दुष्कर्म एवं हत्या का शिकार बनी एक युवती के तौर पर दिखाया गया है। फेसबुक, गूगल और ट्विटर ने जनवरी में अदालत से कहा था कि उन्होंने उन सभी लिंक को ब्लॉक कर दिया है या हटा लिया है जिसमें मृत महिला के फोटो को हाथरस दुष्कर्म पीड़िता के तौर पर दिखाया गया। गौरतलब है कि 14 सितंबर 2020 को हाथरस में 19 वर्षीय एक दलित महिला से 4 लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। पीड़िता की 29 सितंबर 2020 को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)